डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 > अंक : 03 > मूल्य: 10 रुपए > पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर, गुरुवार, 07 जुलाई, 2022

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है।
- शालिनी श्रीवास्तव

राजस्थान पुलिस का अंतर्युद्ध !

आख़िर डीजीपी राजस्थान मोहनलाल लाठर आईपीएस क्यों ख़ामोश हैं इस मामले में एडीजी विजिलेंस बीजू जॉर्ज जोसफ घाणी में तेल निकाल रहे एसडीआरएफ जवानों के मामले की जाँच को 03 माह से लगातार टाल रहे हैं ....क्यों?

क्या एडीजी सुष्मित विश्वास के बैचमेट होने का हक़ अदा कर रहे हैं एडीजी विजलेंस बीजू जॉर्ज जोसफ?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। एक ओर सम्पूर्ण राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय रूप से आंतरिक शक्ति को बढ़ाने के लिए 'अग्निपथ योजना' का बोल बाला हो रहा है वहीं दूसरी ओर इसी सुरक्षा शक्ति की एक इकाई एसडीआरएफ में जवानों को निजी अधिकारों की आहुति देकर अग्निपरीक्षा से गुज़रना पड़ रहा है।

एसडीआरएफ के जवानों द्वारा जिसमें महिला जवान भी शामिल है,एक निजी तेल फेक्ट्री में घाणी से तेल निकालने का काम लिया जा रहा है।

जाँच के पश्चात ज्ञात हुआ कि यह तेल फैक्ट्री एडीजीपी एसडीआरएफ सुष्मित विश्वास की पत्नी श्रीमती विश्वास के नाम से संचालित है। इसी प्रभाव के चलते उनकी पत्नी द्वारा जवानों को इस फैक्ट्री में काम लिया जा रहा है। जो कि असंवैधानिक, अनैतिक, अनर्गल, असंवेदनशील कार्य है।

एसडीआरएफ कमांडेंड पंकज चौधरी आईपीएस ने सूचना मिलते ही 14 मार्च 2022 को पत्र क्रमांक एसडीआरएफ/गोपनीय/जांच/2022/147 जारी किया जिसमें विभिन्न परिवाद और गोपनीय तत्वों के संज्ञान के आधार पर तीन सदस्यीय गोपनीय टीम को यह ज़िम्मेदारी दी गई और इन समस्त पहलुओं पर मौके-परीक्षण कर फैक्ट्री और आसपास के स्थानीय नागरिक से पूछताछ पर एक रिपोर्ट तैयार करवाई गई।

जून 2022 में जाँच पूर्ण हुई जिसमें प्रमाणित हुआ कि जयपुर शहर के समीप सिरसी रोड पर बालाजी विहार नामक एक फैक्ट्री में जहां सरसों सोयाबीन,मोरिडा, मूंगफली का तेल तैयार होता है और हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली जैसों शहरों में निर्यात भी किया जाता है। इस तेल फैक्ट्री में एसडीआरएफ के लगभग 15 से अधिक जवान कार्यरत हैं और 18 माह से उनके द्वारा घाणी में से तेल निकाला जा रहा है। देश के दुश्मनों का तेल निकालने वाले जवान घाणी में तेल निकाल रहे हैं यह बड़ी अफ़सोसजनक व शर्मनाक सिद्ध हुई।

इसके पश्चात कमांडेंड पंकज चौधरी आईपीएस द्वारा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सुष्मित विश्वास को पत्र क्रमांक/एसडीआरएफ/पीए/2022/240 द्वारा 10 जून 2022 को पत्र जारी किया गया जिसमें स्पष्ट तौर पर विश्वास को मानसून में आपदा प्रबंधन हेतु जवानों की आवश्यकता दर्शायी गयी एवं इस अनैतिक व असंवैधानिक कृत्य के लिए आगाह करते हुए उनकी फैक्ट्री में कार्यरत जवानों को तुरंत प्रभाव से कार्यमुक्त किया जाने का आग्रह किया गया। साथ ही सुमन नूनिया महिला कानि 640 व मनोज कुमार कानि 827 जिनके विरुद्ध 16 सी.सी.ए. की विभागीय जाँच लंबित है को अपने निवास से कार्यमुक्ति के आदेश दिए जाने का आग्रह किया क्योंकि इससे अनावश्यक दबाव व प्रभाव जाँच अधिकारी पर बना हुआ था व जाँच प्रभावित हो सकने का अंदेशा भी बन रहा था।

किंतु किसी भी तरह इस पत्र की पालना नहीं हुई और यह अति संवेदनशील मामला मीडिया में 29 जून तक फैल गया।

पुलिस विभाग की गरिमा इससे प्रभावित तो हुई ही साथ ही देश के जवानों की स्थिति भी ज़ाहिर हुई।

इसी दौरान 01 जुलाई को पंकज चौधरी का स्थानांतरण पुलिस मुख्यालय बतौर पुलिस अधीक्षक कम्यूनिटी पॉलीसिंग कर दिया गया।

आख़िर एसडीआरएफ कमांडेंड पंकज चौधरी आईपीएस में इतना आक्रोश क्यूं है?

एसडीआरएफ कमांडेंड के पद से कार्यमुक्त होते ही वर्तमान नव पदास्थापित एसडीआरएफ कमांडेंड राजकुमार गुप्ता के समक्ष कमांडेंड पंकज चौधरी के विरुद्ध शिक़ायतों का अंबार लग गया। जिसका एक नमूना पेश है कि पत्र क्रमांक एसडीआरएफ/एस.ए./2022/329 राकेश विरवाल सूबेदार स्टूडेंट एसडीआरएफ राजस्थान जयपुर द्वारा शिकायत दर्ज की गई कि पूर्व कमांडेंट पंकज चौधरी आईपीएस द्वारा उन्हें धमकी दी गई है कोर्ट के आदेश के द्वारा एसडीआरएफ कमांडेंट में दोबारा आकर लगूंगा और सभी अधिकारियों व तुम सबको सबक सिखाऊंगा।

राजस्थान सरकार के इस फ़ैसले से नाखुश और आहत थे पंकज चौधरी?

कई प्रश्न हैं पर एक का भी जवाब नहीं। कोई अधिकारी तेल निकालता है कोई धमकी देता है। क्या अधीनस्थ जवानों के अपने कोई अधिकार नहीं? किसी भी अधिकारी की कोई भी त्रुटि रही हो लेकिन इसका खामियाज़ा राजस्थान पुलिस को ही उठाना होगा। पुलिस प्रशासन की गरिमा में गिरावट और पुलिस के प्रति जनता के विश्वास में अविश्वास का दाग़ लग ही गया है।

डीजीपी लाठर राजस्थान पुलिस किसी भी तरह टिप्पणी मीडिया को नहीं देते हैं। यह कार्यभार उन्होंने बीजू जॉर्ज जोसफ़ डीजीपी विजलेंस की दिया हुआ है। अतः उन्हीं से समय मिल सकता है मिलने का।

4-5 बार पुलिस मुख्यालय में विजिट के दौरान हिलव्यू समाचार की टीम को मिला पुलिस प्रशासन से यह जवाब।

आम जनता तो पुलिस मुख्यालय में गुहार लेकर आ ही नहीं सकती। इतनी औपचारिकता हिलव्यू समाचार टीम ने इस दौरान देखी कि कई ज़रूरतमंद लोगों को बिना काम किये या सुनवाई दिए उल्टे पैर लौटते देखा।

क्या उच्च पुलिस प्रशासन खुद इतनी सुरक्षा में बैठा है कि आम जनता की पहुँच उस तक नामुमक़िन लगती है। सुरक्षा व सुनवाई की आवश्यकता जनता को है कोई इन्हें अहसास कराए। इस तरह गुफाओं में बैठकर तपस्या की जाती है जनता की सेवा नहीं।

अभी तक जाँच पूरी नहीं हुई इसीलिए इस संदर्भ में (सुष्मित विश्वास के परिवारजन द्वारा अपनी निजी फेक्ट्री में एसडीआरएफ जवानों के प्राइवेट फेक्ट्री में तेल निकालने का कार्य करने की जाँच) कोई भी टिप्पणी नहीं दी जा सकती।

बीजू जॉर्ज जोसेफ
डीजीपी विजीलेंस
पुलिस मुख्यालय राजस्थान

16 CCA की विभागीय जाँच में विचाराधीन महिला जवान सुमन नूनिया 640 व जवान मनोज कुमार 827 को आवास पर लंबे समय से पदस्थापित करना CCA रूल, 1958 के नियम 24 का प्रत्यक्ष उल्लंघन है।' 'तेल निकालने की प्राइवेट फ़ैक्टरी पर दर्जनों SDRF जवानों को पिछले 18 माह से कार्य करवाना अनैतिक है यह कृत्य कही से भी न्यायसंगत नहीं है । इस संदर्भ में एडीजीपी विजिलेंस शाखा, पुलिस मुख्यालय को मय दस्तावेज़ों व प्रमाण के साथ तीन माह पूर्व सूचित किया जा चुका है।'

पंकज चौधरी
कमांडेंड एसडीआरएफ राजस्थान

यह सरासर झूठ है। मेरे परिवार की फैक्ट्री है लेकिन वहाँ सभी प्राइवेट एजेंसी के लोग कार्य करते हैं जिन्हें हायर किया गया है। इस तरह बातें फैलाकर कोई भी दबाव नहीं बनाया जा सकता। शिकायतकर्ता,आरोप लगाने वालों का इतिहास किसी से छुपा नहीं। उनकी शिकायतों पर मेरे लगातार नोटिस जारी करने पर यह अनर्गल झूठ मेरे ख़िलाफ़ खड़ा किया गया है। रही 16 सीसीए की जाँच के जवानों की बात तो वे लंबे समय से मेरे घरेलू काम देख रहे हैं जिससे जाँच का प्रभावित होना सम्भव नहीं। मैं पुलिस प्रशासन के ख़िलाफ़ कार्य करने वालों का कभी हितैषी नहीं बन सकता। जाँच कमेटी अपना कार्य मुस्तैदी व पूरी आज़ादी से करे।

सुष्मित विश्वास
एडीजीपी एसडीआरएफ पुलिस
मुख्यालय राजस्थान

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

नगर निगम हैरिटेज को नया उत्साह और संचार देंगे कभी विश्राम न करने वाले नव आयुक्त विश्राम मीणा!

विश्राम मीणा (IAS)
नव आयुक्त,नगर निगम हैरिटेज,जयपुर

अवधेश मीणा
पूर्व आयुक्त नगर निगम हैरिटेज,जयपुर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। आख़िर अपना वक्त काटकर आयुक्त अवधेश मीणा विदा हो ही गए नगर निगम हेरिटेज से।

उनकी अकर्मण्यता नगर निगम को नीचे ले गई। उनके कार्यकाल में न काम हुए न रेवेन्यू को गति मिली।अब यूँ तो उन्हें जो पद मिला है वह और अधिक ज़िम्मेदारी का है जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त का। शुभकामनाएं हैं कि वहाँ जाकर उनकी प्रतिभा और क़ाबिलियत को नई दिशा और संचार मिले।

नगर निगम हैरिटेज के कई मसले हैं जो अनसुलझे हैं। पार्षद ख़ुश नहीं थे अब तक के उच्च अधिकारियों से। निगम में रेवेन्यू का टोटा है। किसी भी कार्य के लिए निगम का ख़ज़ाना खाली ही रहता है। जबकि रेवेन्यू के लिए स्रोतों का भंडार है हैरिटेज नगर निगम के पास। इन स्रोतों को गति देने और दिशा देने का काम न मेयर मुनेश गुर्जर कर पाई हैं न ही आयुक्त अवधेश मीणा इस पर खरे उतरे। अधीनस्थ अधिकारियों से मनमुटाव, पार्षदों की अनदेखी से उन्हें फ़ुर्सत ही नहीं मिली कि वे नगर निगम को नई दिशा दे पाते।

इधर आयुक्त विश्राम मीणा अपने नाम के बिल्कुल विपरीत हैं क्योंकि आप विश्राम नहीं करते बल्कि प्रशासनिक कार्यों के प्रति सावधान रहते हैं। आपने अपनी राजकीय सेवाओं में अब तक एक भी अवकाश नहीं लिया। रविवार को भी आप कार्य करते हैं।साथ ही कार्यालयिक समय से अधिक समय कार्यालय को देते रहे हैं। इस विशेषताओं से लगता है कि नगर निगम हेरिटेज में लंबित कार्यों को और गति मिलेगी उसे दुरुस्त कार्यप्रणाली का असर देखने को मिले यही उम्मीद है।

उम्र और अनुभव का सुनहरा संयोग नगर निगम हैरिटेज को एक नई पहचान देगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व आयुक्त अवधेश मीणा को बढ़ती उम्र व गुज़रता समय कार्य के प्रति ज़िम्मेदारी व जवाबदेही सीखा ही देंगे।

आईपीएस पंकज चौधरी ने अपने हक़ में फ़ैसला लेकर फिर संभाली एसडीआरएफ कमांडेंड की कुर्सी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत माह आईपीएस स्थानांतरण सूची राज्य सरकार के निर्देशानुसार कार्मिक विभाग राजस्थान द्वारा 30 जून को जारी हुई थी।जिसमें पंकज चौधरी आईपीएस का तबादला कमांडेंड एसडीआरएफ़ से करके एसपी कम्यूनिटी पोलिसिंग पुलिस मुख्यालय जयपुर में कर दिया गया था।07 जुलाई को माननीय न्यायालय केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिबुनल जयपुर बेंच ने पंकज चौधरी आईपीएस को स्टे दे दिया। स्टे मिलने के बाद पंकज चौधरी ने माननीय न्यायालय द्वारा जारी आदेश की पालना में यथावत सेनानायक एसडीआरएफ़ के पद पर कार्य प्रारंभ किया।

srishti
the women's club

सभ्यता और संस्कृति को सहेजने के साथ साथ सामाजिक सरोकारों से सम्बंधित कार्यक्रमों का भी आयोजन

हौसले की उड़ान

सृष्टि दिव्यांग मैराथन
COMING SOON

रजिस्ट्रेशन एवं स्पॉन्सरशिप के लिए सम्पर्क करें
मधु सोनी - 9414991362
(FOUNDER)

राष्ट्रीय स्तर का पहला दिव्यांगजन मैराथन जयपुर में आयोजित करेगा सृष्टि दी वुमन्स क्लबः क्लब फाउंडर मधु सोनी

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। सृष्टि दी वुमन्स क्लब राष्ट्रीय व राज्यीय स्तर पर सामाजिक व सांस्कृति आयोजन करता रहा है। देश-सेवा की एक दिशा समाज सेवा भी है जिसमें महिलाओं व बच्चों के साथ-साथ निशक्तजनों, ज़रूरतमदों की सेवा सर्वोपरी है। देश की संस्कृति को जीवंत करना व उसकी धरोहरों, विरासतों को संजोना भी सृष्टि दी वुमन्स क्लब की पहचान रही है।

क्लब की फाउंडर मधु सोनी ने बताया कि सृष्टि दी वुमन्स क्लब जुलाई के अंत में दिव्यांगजन मैराथन लेकर आ रहा है। जल्द ही तारीख व स्थान भी घोषित किया जाएगा । इसका पहला पोस्टर विमोचन विद्या हरितवाल,कांग्रेस नेता अर्चना शर्मा,डॉ पूनम मदान,पवन गोयल,संजय सरदाना,हेमंत गोयल,वरुण श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव,कमलेश सोनी के नेतृत्व में हुआ। आगे भी राज्य के प्रतिष्ठित व गणमान्य जनों द्वारा पोस्टर विमोचन करवाया जाएगा व प्रचार प्रसार कर दिव्यांगजन मैराथन को सफल बनाने के प्रयास जारी हैं। जो भी इसमें भाग लेना चाहते हैं या सहयोग करना चाहते हैं सृष्टि दी वुमन्स क्लब उनका हार्दिक अभिनंदन करता है। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी या किसी भी पूछताछ के लिए +919414991362 मोबाइल नंबर पर क्लब की फाउंडर मधु सोनी से डायरेक्ट बात की जा सकती है। यह एक अनूठी मैराथन दौड़ होगी जिसमें हौसले और विश्वास की मशाल लेकर वे लोग हिस्सा लेंगे जो भले निःशक्त हैं शरीर से लेकिन जो जीवन जीने की कला जानते हैं और वे आदर्श प्रेरणा हैं इस समाज के लिए। देश, राज्य,समाज और अपने परिवार के लिए जो बोझ नहीं बल्कि सम्बल हैं समाज का। जो देश में स्फूर्ति व शक्ति संचारित करते आ रहे हैं उनके हौसले और शक्ति का प्रदर्शन होगी यह दिव्यांगजन मैराथन दौड़।

संपादकीय

विचारधारा से समझौते का दुष्परिणाम, महाराष्ट्र में भारी पड़ी अपनों की अनदेखी

महाराष्ट्र विधानसभा में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार ने बहुमत परीक्षण की परीक्षा पास कर ली। इससे पहले रविवार को विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी ताकत दिखाई। पहली बार विधायक बने भाजपा के राहुल नार्वेकर विधानसभा अध्यक्ष चुन लिए गए। बीयर की फैक्ट्री में काम करने और फिर आटो चलाने से लेकर महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास के सबसे शक्तिशाली चेहरों में से एक बनने तक एकनाथ शिंदे ने एक लंबा सफर तय किया है। बाल ठाकरे को अपना गुरु मानने वाले एकनाथ शिंदे ने हिंदुत्व के लिए हमेशा एक उत्साह के साथ संयुक्त मराठा पहचान पर जोर दिया। सतारा छोड़ने के बाद ठाणे उनका गढ़ बन गया। सही अर्थों में एक जनप्रतिनिधि के तौर पर जनता से जुड़े एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करके भाजपा ने कई राजनीतिक लाभ हासिल किए हैं। अक्सर उच्च जातियों की पार्टी होने का आरोप झेलने वाली भाजपा एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने के साथ न केवल उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले महाविकास आघाड़ी गठबंधन को करीब-करीब खत्म करने में कामयाब रही, बल्कि आगामी बीएमसी चुनावों के लिए भी अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रही।

एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने से महाराष्ट्र में जनादेश का भी पालन हुआ। सवाल पूछे जा रहे हैं कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विद्रोही धड़े ने उद्धव ठाकरे से खुद को कैसे अलग किया या फिर इस विद्रोह के क्या कारण रहे? इन कारणों में सबसे महत्वपूर्ण रहा-एकनाथ शिंदे और जमीनी स्तर के शिवसेना कार्यकर्ताओं का पार्टी आलाकमान के प्रति असंतोष।

वास्तव में 2019 में जब शिवसेना ने भाजपा से नाता तोड़कर लंबे समय से अपनी राजनीतिक दुश्मन कही जाने वाली राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिलाया तो उसके जमीनी कार्यकर्ताओं में असंतोष की एक अंतर्धारा देखी गई। इसे ठाकरे परिवार महसूस नहीं कर सका। उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री बनने के कुछ ही दिनों में पार्टी के अंदर उनके बेटे आदित्य ठाकरे के प्रति असंतोष उपजने लगा, जो सरकार में एक कनिष्ठ मंत्री थे। आरोप यह भी लगा कि आदित्य ठाकरे दूसरे मंत्रालयों के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे थे। पार्टी के विधायक किनारे किए जाने लगे। शिवसेना के कोटे के मंत्रियों की बात भी नहीं सुनी जा रही थी। स्पष्ट है कि इससे उनमें नाराजगी बढ़ने लगी। ऐसे तमाम असंतुष्ट मंत्रियों और विधायकों ने एकनाथ शिंदे का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। चूंकि उद्धव ठाकरे बाल ठाकरे के आदर्शों से समझौता करते नजर आ रहे थे, इसलिए शिंदे की राह और आसान हो गई। महाराष्ट्र में तख्तापलट से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि शिवसेना आलाकमान न केवल आम आदमी की भावना से दूर था, बल्कि अपने ही कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं से भी अनजान था।

शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन को छिन्न-भिन्न करके और उद्धव ठाकरे को सत्ता से बाहर करके भी भाजपा इस आलोचना का सामना करने से बच गई कि वह सत्ता की भूखी है और 'मराठा माणूस' की परवाह नहीं करती, क्योंकि उसने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बना दिया। एकनाथ शिंदे को आगे कर भाजपा ने यह भी सुनिश्चित किया कि हालिया घटनाक्रम का फायदा आगामी बीएमसी चुनावों और फिर लोकसभा चुनावों में भी मिले।

एकनाथ शिंदे अब 'मूल शिवसेना' के रूप में एक नए अवतार में सामने आने की कोशिश करेंगे। उन्होंने हमेशा शिकायत की कि उद्धव ठाकरे वैचारिक रूप से प्रतिकूल प्रकृति वाले राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन करके हिंदुत्व की विचारधारा को कमजोर कर रहे हैं। यह सब आम मराठा को प्रभावित करेगा। एकनाथ शिंदे एक मराठा नेता हैं और वह अपनी पार्टी को क्षेत्रीय राजनीति में बढ़त दिलाने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री पद नहीं लेने का भाजपा का फैसला एक बड़ी जंग जीतने के लिए एक छोटा मुकाबला हारने के तौर पर देखा जाना चाहिए। अपने ऊपर लगाए जा रहे तमाम आरोपों का पूरी तरह मुकाबला करते हुए भाजपा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी विजेता बनकर उभरी है। देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री नियुक्त करके उसने सरकारों को गिराने के आरोपों पर भी विराम लगा दिया। भाजपा ने महाराष्ट्र की जनता को यही संदेश दिया कि शिंदे गुट केवल भाजपा द्वारा समर्थित है और सरकार तो शिवसेना की ही है। यह संदेश देने में भी कामयाब रही कि शिवसेना में हुई बगावत भाजपा के हस्तक्षेप से अधिक स्वतंत्र आंतरिक विद्रोह का परिणाम है। एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री का पद देने के साथ उन स्थितियों का भी ध्यान रखा गया, जिनमें महाविकास आघाड़ी गठबंधन द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री का पद दिया जा सकता था और पार्टी में वापस आने के लिए प्रेरित किया जा सकता था। शिवसेना में विद्रोह यही बताता है कि किसी दल को विचारधारा से समझौते की कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

यह भी ध्यान रहे कि उद्धव ठाकरे ने खुद कुर्सी संभाली, जबकि बाल ठाकरे ने मनोहर जोशी और नारायण राणे को मुख्यमंत्री बनाया था। आने वाले समय में यह तय है कि एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे के खिलाफ पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के लिए लड़ेंगे। यह समय बताएगा कि वह ठाकरे परिवार से शिवसेना को मुक्त करने में सफल हो पाते हैं या नहीं, लेकिन यह तय है कि उद्धव ठाकरे की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। इसी कारण फिलहाल शिंदे-फडणवीस टीम के लिए राह बेहद आसान नजर आ रही है।

खेल-खेल में सीखेंगे बच्चे

तेजी से बदलती जीवनशैली का प्रभाव क्या केवल आपके जीवन पर ही पड़ रहा है? क्या समय की कमी सिर्फ आपको ही परेशान करती है? ऑफिस की व्यस्तता और मल्टीटास्किंग से क्या आप ही परेशान हैं? नहीं, ये तमाम बातें आपके अलावा आपके बच्चों को भी परेशान करती हैं, जिनकी वजह से अकसर वे चिड़चिड़े और आलसी दिखते हैं और आपकी बात नहीं मानते हैं. उन्हें छोटी-छोटी बातें समझाने में भी परेशानी होती है.

पैरेंट्स होने के नाते आप परेशान हो जाते हैं. 6 से 12 साल की उम्र बहुत से बदलावों की होती है. इस दौरान शारीरिक बदलावों के साथ-साथ बच्चों में स्वभाव को लेकर भी कई तरह के बदलाव देखे जाते हैं. लेकिन यह ऐसी उम्र होती है जब बच्चों को कई अहम बातों के बारे में बताना जरूरी होता है. ऐसे में विशेषज्ञों की राय काफी महत्वपूर्ण हो जाती है. खासतौर से कामकाजी पैरेंट्स के लिए यह किसी चुनौती से कम नहीं कि वे अपने छोटे या बढ़ते बच्चों को कैसे समझाएं या उनके साथ कैसे डील करें.

पढ़ाई में लगाएं फन का तड़का

बच्चों के साथ उनकी फन ऐक्टिविटीज में भाग लें. बच्चों को पेंटिंग का बहुत शौक होता है. इस कार्य में उनका अच्छा दोस्त बना जा सकता है. उन्हें बताएं कि कौन से 2 रंग मिलाने पर कौन सा नया रंग बनता है. उनसे अपने बचपन की बातें शेयर करें. उन्हें यह न बताएं कि आप बचपन में हर काम में बहुत निपुण थे, बल्कि बताएं कि फलां कार्य करने में आपको भी बहुत परेशानी होती थी. बच्चों के संग समय बिताएं. उनके साथ टीवी देखें. उनकी पसंद-नापसंद के बारे में पूछें. अपना टेस्ट उनके साथ शेयर करें. अगर आप उन्हें बताना चाहते हैं कि बाहर गरमी से आने पर तुरंत फ्रिज का ठंडा पानी पीने से गला खराब हो सकता है, तो इस बात पर अमल भी करके दिखाएं. अगर आप पिता हैं तो छुट्टी वाले दिन उनके साथ उनके स्कूल बैग का हालचाल जानें. उनके दोस्त बनें, डांट-फटकार करने वाले पिता नहीं. अपनी रुचियां उन पर न थोपें, बल्कि उनकी पसंदीदा चीजों संग अपनी रुचि भी जाहिर करें. उन्हें मजे-मजे में बताएं कि शैतानियों में क्या अच्छा-बुरा होता है. जैसे कि हर इंसान को पेड़ पर चढ़ना आना चाहिए लेकिन पेड़ से गिरने पर जोर की चोट भी लग सकती है, इसलिए अपने सामने उन्हें ऐसा करने की सलाह दें. किसी अनजान से बात न करें. यह बात उन्हें किसी एक्टिविटी के माध्यम से समझाने की कोशिश करें. हो सके तो इस तरह की बातें अपने बच्चों को उनके दोस्तों के सामने समझाएं. छुट्टी वाले दिन सुबह जल्दी उठकर पार्क जाएं, जॉगिंग करें. यह बात केवल मौखिक रूप से न समझाएं, बल्कि छुट्टी वाले दिन आप खुद भी जल्दी उठकर बच्चों के साथ पार्क जाएं.

बच्चे बहुत जिज्ञासु होते हैं, खासतौर पर बढ़ती उम्र में जब वे अपने और अपने पैरेंट्स के शरीर में अंतर देखते हैं. वे इस बात की ओर भी बहुत जल्दी ध्यान देते हैं कि लड़के और लड़की के शरीर में काफी अंतर होता है. जब बच्चा आपसे अपने प्राइवेट अंगों के बारे में कुछ पूछे तो उसे समझाएं कि लड़की और लड़के में यह अंतर उनके प्रजनन अंगों की वजह से होता है. बच्चे को निजी अंगों के वैज्ञानिक नाम बताने से झिझकें नहीं. आप नहीं बताएंगे तो वह बाहर से कुछ और ही सीखकर आएगा. उन्हें बताने के लिए किताबों की मदद लें.

सेल्फ लव से ज़िंदगी खुशहाल

जिंदगी में खुद को इम्पोर्टेंस देना बेहद जरूरी है. जब तक हम खुद को इज्जत नहीं देंगे, तब तक हमसे जुड़े पास या दूर के लोग भी हमारा सम्मान नहीं करेंगे.

हम कई बातों का डर रखते हुए जिंदगी में वो फैसले लेने से बचते हैं, जो हमें कांटे की तरह चुभ रहे होते हैं. सवाल ये उठता है कि हम दुनिया के बारे में सोचते हुए अपने बारे में सोचना क्यों भूल जाते हैं? हमें क्यों इस बात का अहसास नहीं होता है कि हम खुद के लिए सबसे जरूरी हैं? इस बात को हम जितनी जल्दी समझ जाएं, उतना अच्छा होगा. न सिर्फ हमारे लिए, बल्कि हमारे आसपास के लोगों के लिए भी. जब हम खुश रहते हैं तो खुद से जुड़े लोगों को भी खुश रखते हैं, वहीं अगर हम दुखी और चिड़चिड़े होते हैं तो अपनों पर भी गुस्सा उतारने से बाज नहीं आते. सेल्फ लव बेहद जरूरी है.

दूसरों की परवाह न करें

हमारे कुछ भी करने से दूसरे क्या सोचेंगे, यही सोचकर हम अपनी जिंदगी को उलझा देते हैं. अगर आप भी ऐसी गलती करते आए हैं तो अब इसे दोहराने से बचें. अगर किसी काम को करने की इच्छा आप रखते हैं तो उसे बेझिझक करें.

नाराजगी से न डरें

हम कई बार खुद से प्यार इसलिए नहीं जता पाते हैं क्योंकि हमें दूसरों को खोने का डर होता है. हमें ये जानना चाहिए कि जो वाकई हमसे प्यार करते हैं, उन्हें हमारे फैसलों से खुशी ही मिलेगी. ऐसे में किसी की भी परवाह कर खुद का समय जाया न करें.

स्वयं को हमेशा पहले रखें

ज्यादातर लोग उन लोगों को खुद से भी पहले रखते हैं, जो उनकी जिंदगी में मायने रखते हैं. आपको ये समझना चाहिए कि कोई आपकी जिंदगी में इसलिए मायने रखता है, क्योंकि आपकी जिंदगी आपके पास है. इस बात को कभी न भूलें कि खुद को सबसे पहले रखना बेहद जरूरी है.

राह होगी आसान

ये सारी बातें हमारे मन के डर से जुड़ी हैं. किसी को खोने का डर, खुद के फैसलों पर विश्वास न कर पाने का डर और लोग क्या सोचेंगे का डर! ये सभी बातें डर की वजह से हमारे दिमाग में आती हैं. खुद को खुश रखने और प्यार करने की राह तभी आसान होगी, जब आप अपने डर से लड़कर उस पर जीत हासिल करेंगे.

गलती करना भी जरूरी

हम सभी की जिंदगी में गलती बहुत जरूरी है. सिर्फ सीखने के लिए नहीं, बल्कि सही क्या है, इसकी समझ विकसित करने के लिए. ऐसे में आपसे अगर कोई गलती होती है तो खुद को कोसने और मेंटली परेशान होने से बचें. इस बात को हरगिज न भूलें कि हम अपनी गलतियों से ही सीखते हैं.

स्टोल से निखारें स्टाइल

आज महिलाएं अक्सर खुद को सुरक्षित रखने के लिए स्टोल लेकर ही घर से बाहर निकलती हैं. कुछ खास तरह से स्टोल कैरी करके आप अपने लुक को भी काफी स्टाइलिश बना सकती हैं. स्टोल की मदद से आप अपने ड्रेसिंग सेंस को आसानी से स्मार्ट बना सकती हैं.

लूप स्टोल करें ट्राई

शर्ट-पैंट और यहां तक कि सलवार सूट के साथ भी लूप स्टोल काफी फबता है. इसके लिए सबसे पहले स्टोल के दोनों किनारों को आपस में बांधें. अब स्टोल को गले में डालकर लम्बाई के मुताबिक 2-3 बार लपेट लें. इससे आपका लुक काफी स्टाइलिश लगने लगेगा.

फ्रेंच नॉट

कैजुअल वियर पर ग्लैमरस लुक पाने के लिए फ्रेंच नॉट स्टोल ट्राई करना बेस्ट ऑप्शन हो सकता है. इसके लिए स्टोल को गले में डालकर आधा मोड़ें और इसे एक तरफ से बांध लें. खासकर व्हाइट या ऑफ व्हाइट ड्रेस पर फ्रेंच नॉट स्टाइल काफी अच्छा लगता है. वहीं डार्क कलर की ड्रेस को हाईलाइट करने के लिए भी आप वाइब्रेंड शेड के स्टोल सेलेक्ट कर सकती हैं.

टीमअप

कई लड़कियां ट्यूनिक या ट्राउजर पहनना पसंद करती हैं. ऐसे में टीमअप स्टोल लुक आपको सिंपल और स्मार्ट लुक दे सकता है. इसके लिए आप कंट्रास्ट शेड वाले स्टोल का चुनाव करें. इस स्टोल को आप गले में अलग-अलग तरीकों से डाल सकती हैं. साथ ही स्टोल के साथ कैप भी काफी अच्छी लगेगी.

बनाएं बेल्ट

स्मार्ट लुक पाने के लिए आप स्टोल को कमर में बेल्ट की तरह भी पहन सकती हैं. खासकर सूट, कुर्ती और डेनिम जींस के साथ बेल्ट की तरह स्टोल पहनने से ये लुक काफी हटकर और बेहद स्टाइलिश लगेगा.

पुरुषों को दीजिए खास उपहार

अक्सर पुरुषों को, चाहे रिश्ते में वह आपका भाई, पिता, पति, फ्रेंड या बेटा ही क्यों न हो, जब उन्हें खास मौकों पर उपहार देने का अवसर आता है तो आप पशोपेश में पड़ जाते हैं कि उन्हें क्या दें? यह सही है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों को दिए जाने वाले उपहार सीमित होते हैं क्योंकि वे महिलाओं की तरह सौंदर्यप्रिय नहीं होते लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि उनके लिए उपहार की शृंखला ही न हो.

काम की चीज़ दें

यदि अवसर शादी का हो तो क्राकरी, परफ्यूम, डिओ, चमड़े का पर्स आदि दे सकती हैं या फिर सूटकेस भी दे सकती हैं. यदि अवसर शादी की सालगिरह का है तो ऐसी वस्तु देना चाहिए तो पति-पत्नी दोनों के काम आ सके. जैसे कोई खूबसूरत पेंटिंग, बेडशीट-पिलो कवर्स, दीवार या टेबल घड़ी, शोपीस आदि. इनके अलावा भी यदि आप सामने वाले की पसंद जानती हैं या आपको यह पता है कि उसे किस चीज की जरूरत है तो उसके अनुसार उपहार खरीद सकती हैं. चाहें तो चांदी के सिक्के भी दे सकती हैं.

अवसर व बजट देखें

पहलें तो आप अपना बजट तय कर लें कि कितने तक का उपहार खरीदना है और यह भी कि इसको आप अकेली ही देना चाहेंगी या किसी के साथ मिलकर, उसी हिसाब से आइटम पर विचार करना चाहिए. उपहार देते समय यह बात अवश्य ध्यान में रखें कि अवसर क्या है- जन्मदिन, शादी वेलेंटाइन डे, फ्रेंड्स डे, जॉब प्रमोशन, शादी की सालगिरह आदि. जैसा अवसर हो, उसी हिसाब से उपहार चुनना चाहिए. जन्मदिन पर आप कोई अच्छी पुस्तक, डायरी, घड़ी, परफ्यूम, टाई पिन, टाई, शर्ट, मोबाइल फोन, इंपोर्टेंट पेन, गॉगल्स, बेल्ट आदि.

ज़रूरत का ख़्याल रखें

यदि पुरुष कम आयु का है यानी बच्चा या किशोर है तो उसके लिए उनकी जरूरत का उपहार खरीदना चाहिए, जैसे नाइट सूट, कुर्ता पायजामा, शर्ट, टावेल सेट, लंच बाक्स, कोई अच्छा खिलौना, स्कूल बैग आदि. यदि आपका बजट अधिक हो तो लैपटॉप, कम्प्यूटर, मोबाइल फोन, आईपॉड, म्यूजिक सिस्टम, एलसीडी टीवी आदि भी दे सकती हैं. यदि आपको कोई उपहार सूझ नहीं रहा हो तो बैंक के गिफ्ट कार्ड भी दे सकती हैं. याद रहे, किसी भी विशेष अवसर पर नकद का लिफाफा देना अंतिम विकल्प के रूप में रखें, क्योंकि रुपया खर्च हो जाता है जबकि यदि कोई वस्तु उपहार में दी जाती है तो उसकी स्मृति लंबे समय तक कायम रहती है.

गार्डनिंग अर्थात बागवानी करना कई लोगों का शौक होता है जिसके लिए वे अपने घर, छत या फिर फार्म हाउस के बगीचे में तरह-तरह के पौधे लगाते हैं. रंग-बिरंगे, खुशबूदार पौधों के बीच समय गुजारना हर कोई पसंद करेगा. देखा जाता है कि कई लोग अपने बगीचे में पौधों के बीज पर पैसे खर्च होने के चलते पौधे लगाने से कतराते हैं. लेकिन कुछ ऐसे पौधे होते हैं जिन्हें उगाने के लिए बीज की जरूरत नहीं, बल्कि ये तो उनकी पत्तियों से ही उग जाते हैं.

पत्तियों से उगाएं पौधे

रबर प्लांट

रबर प्लांट एक सुंदर और सदाबहार पौधा है जो अपनी खूबसूरती के लिए फेमस है. इसे घरों में सजावट के तौर पर लगाया जाता है. इसकी पत्तियां बेहद खूबसूरत होती हैं. इसलिए लोग रबर प्लांट को घर में लगाना बेहद पसंद करते हैं. घर की खूबसूरती को बढ़ाने के साथ-साथ यह अंदर की हवा को भी साफ करने में भी मदद करता है. रबर प्लांट को लगाने के लिए आपको बीज खरीदने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसे आप पत्तों की सहायता से भी आसानी से लगा सकते हैं.

स्नेक प्लांट

स्नेक प्लांट इजी टू ग्रो प्लांट है, जो आसानी से लग जाता है. इसे आप कम रोशनी वाली जगह पर भी लगा सकते हैं. इसे लगाने के लिए आपको बीज या फिर नया पौधा खरीदने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आपको स्नेक प्लांट के एक पत्ते को तोड़ना है और उसके पीछे वाले हिस्से को एक साइज में कट कर देना है. अब इस पत्ती को उसके साइज के अनुसार तीन या फिर चार हिस्सों में कट किया जा सकता है. वहीं, कोशिश करें कि पत्ती को कम से कम 3 इंच कट करें, ताकि इसे गमले में शिफ्ट करते वक्त आसानी हो.

टर्टल वाइन

इसकी एक पत्ती से नया पौधा ग्रो हो जाता है. दोपहर की चिलचिलाती धूप से पौधे को बचाएं. यह डेकोरेटिव होता है इसलिए इसे आप इसे दक्षिण या पश्चिम की ओर वाली बालकनी या खिड़की के पास लटका सकते हैं. बेहतर विकास के लिए इसे थोड़ी नम मिट्टी की जरूरत होती है. इसकी पत्तियों का नोड थोड़ा लंबा होता है. पत्ती की नोड को मिट्टी में लगाने पर कुछ समय बाद पौधा ग्रो होना शुरू हो जाता है. इसमें गुलाबी, सफेद, पीले, नारंगी और लाल रंग के फूल आते हैं.

जेड प्लांट

जेड प्लांट में छोटे सफेद और गुलाबी रंग के फूल होते हैं. ऐसा माना जाता है कि यह पौधा आपके घर में सौभाग्य और आशीर्वाद लाता है और सुंदर फूल आपके घर के इंटीरियर को निखारते हैं. स्वस्थ जेड पौधे से पत्ते लें. एक छोटे कंटेनर में एक भाग खाद और एक भाग मिट्टी का मिश्रण तैयार करें. पत्ती को गमले में सावधानी से लगाएं. जब तक जड़ें न दिखने लगें, तब तक जरूरत के अनुसार पानी दें.

मदर ऑफ थाउजेंड्स प्लांट

छोटे-छोटे पत्ते नीचे गिरते हैं तो अपने आप ही पौधा तैयार हो जाता है. आप इन पत्तों के ऊपर के छोटे-छोटे पत्तों को लेकर मिट्टी के ऊपर रख सकते हैं. दो सप्ताह में ये अपने आप जड़ पकड़ लेंगे. यह पौधा हजारों की संख्या में पौधे पैदा कर देता है, इसलिए इसको 'मदर्स ऑफ थाउजेंड्स प्लांट' कहते हैं.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

03

जयपुर, गुरुवार, 07 जुलाई, 2022

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

वाइल्ड-लाइफ सर्विलांस परियोजना के विस्तार के लिए 15.30 करोड़ रुपए स्वीकृत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वाइल्ड-लाइफ सर्विलांस परियोजना के विस्तार हेतु वर्ष 2022-23 के लिए 15.30 करोड़ रूपए के बजट को मंजूरी दी है। वन्यजीवों के संरक्षण तथा उनके संवर्धन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया है। इससे परियोजना के उचित क्रियान्वयन के साथ ही वन्यजीवों की बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सकेगी।

वाइल्ड-लाइफ सर्विलांस परियोजना वन्य क्षेत्रों की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत सॉफ्टवेयर आधारित समाधान है, जो उच्च स्तरीय थर्मल-ऑप्टिकल कैमरे, वायरलेस नेटवर्क, संचार उपकरण, सौर ऊर्जा प्रणाली व ड्रोन आदि से लैस है। झालाना, सरिस्का, रणथम्भौर, मुकुन्दरा तथा जवाई में इस प्रणाली के सफल अनुभव के बाद अब इस स्वीकृति से इस परियोजना का विस्तार प्रदेश के महत्वपूर्ण अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान व अन्य संरक्षित क्षेत्रों में भी किया जाएगा।

इस प्रणाली की मदद से वन्य क्षेत्रों में अवैध शिकार (पोचिंग), आगजनी, कीमती लकड़ी की चोरी सहित बाघ व अन्य वन्यजीव प्रजातियों की विभिन्न गतिविधियों की निगरानी 24X7 स्वचलित तरीके से प्रभावी ढंग से हो सकेगी। इससे वन विभाग की निगरानी क्षमता में वृद्धि होगी तथा विभिन्न वनस्पतियों व वन्य जीवों के बचाव की दक्षता में भी सुधार हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि वन्यजीव प्रजातियों की रक्षा व संरक्षण हेतु मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2022-23 के बजट में वाइल्ड-लाइफ सर्विलांस परियोजना के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिए की गई 30 करोड़ रूपय के बजट की घोषणा के क्रियान्वयन में यह मंजूरी दी गई है।

उदयपुर हत्याकांड के विरोध में जयपुर में हिंदू समाज की हुंकार, कहा...

राजस्थान को नहीं बनने देंगे तालिबान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर बंद के बाद रविवार को जयपुर में ही सर्व हिंदू समाज की ओर से एक बड़ा सामूहिक प्रदर्शन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में संत और हिंदू समाज से लोग जुटे. प्रदर्शन में वक्ताओं के निशाने पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार रही. तय कार्यक्रमनुसार हनुमान चालीसा का भी पाठ किया गया. जयपुर की स्टेचू सर्किल पर यह विशाल धरना प्रदर्शन किया गया हिंदू समाज के आह्वान पर हुए इस सामूहिक प्रदर्शन का नेतृत्व संत समाज ने किया.

सामूहिक धरने प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोग जुटे आलम यह था कि स्टेचू सर्किल के साथ ही एमआई रोड की तरफ जाने वाले रास्ते तक लोग खचाखच भरे हुए थे. मंच से वक्ता और नीचे मौजूद लोग हाथों में भगवा झंडा लेकर जयश्री राम के नाम का उद्घोष कर रहे थे. कार्यक्रम के दौरान मृतक कन्हैया लाल को यहां मौजूद लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि भी दी.

निशाने पर कांग्रेस सरकार, हत्यारों को फांसी की मांग- सर्व हिंदू समाज के इस विरोध प्रदर्शन के दौरान स्टेचू सर्किल पर दो अलग-अलग मंच बनाए गए एक मंच पर संत समाज मौजूद था तो दूसरे मुख्य मंच पर संत समाज के साथ ही विभिन्न धर्मों और समाजों से जुड़े पदाधिकारी मौजूद थे. इस दौरान मंच से संबोधित करने वाले वक्ताओं के निशाने पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार रही. वक्ताओं का आरोप था कि जिस प्रकार की तुष्टिकरण की नीति प्रदेश सरकार ने अपनाई है उसके कारण ही आज राजस्थान में इस प्रकार की घटनाएं जन्म ले रही हैं.

वक्ताओं का आरोप था कि सरकार की तुष्टीकरण की नीति के कारण ही मृतक कन्हैया लाल की पुलिस में अपनी जान की सुरक्षा को लेकर लगाई गई गुहार भी अनसुनी रही. प्रदर्शनकारी लोगों ने कहा कि मौजूदा हालातों में समाज चुप नहीं बैठेगा और राजस्थान को हरगिज तालिबान नहीं बनने देगा. धरना प्रदर्शन में शामिल वक्ता और आमजनों ने कन्हैयालाल के हत्यारों को जल्द से जल्द फांसी की सजा देने की मांग की.

सर्व हिंदू समाज और संत समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम पहले बड़ी चौपड़ पर होने वाला था लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को देखते पुलिस प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी. स्थान बदलकर इसे स्टेचू सर्किल पर करना तय हुआ. बताया जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटने कि संभावनाओं को देखते पुलिस प्रशासन ने परकोटे में इसे करने की इजाजत नहीं दी.

मानसिकता पर हो वार: प्रदर्शन में शामिल कुछ संघ के स्वयंसेवकों और आम युवा प्रदर्शनकारियों ने अपने हाथों में मदरसों को बंद करने की मांग लिखी तख्तियां भी ले रखी थी. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक रमेश चंद्र अग्रवाल ने मांग की कि मदरसों को बंद किया जाए. अग्रवाल ने कहा कि कहा कि जो आतंकवाद पनप रहा है उसका बड़ा कारण है कि कुछ लोग मजहब अपने अपने धर्म को सर्वश्रेष्ठ मानते हैं और दूसरे धर्मों के लोगों को काफिर मानते हैं. वो या तो काफिरों को मार देना चाहते है या फिर उनका धर्मांतरण कर देना चाहते हैं।

अग्रवाल ने कहा यह जो मानसिकता पैदा हुई है उसको प्रश्रय देने का काम भी हमारे देश के कुछ तथाकथित सेक्यूलर राजनीतिक दल और सरकारें कर रही है. अग्रवाल ने इस दौरान राजस्थान में करौली हिंसा, भीलवाड़ा हिंसा और कोटा में पीएफ़आई को पैदल मार्च करने की दी गई अनुमति का भी उदाहरण दिया. संघ पदाधिकारी ने कहा अब भारत का समाज यह सब बर्दाश्त नहीं करेगा.

भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं की देखी गई भीड़- सर्व हिंदू समाज के इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा से जुड़े कई पदाधिकारी जनप्रतिनिधि और पूर्व जनप्रतिनिधियों सहित कार्यकर्ता शामिल हुए. इनमें जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, विधायक कालीचरण सराफ, नरपत सिंह राजवी और डॉक्टर अशोक लाहोटी के साथ ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक प्रणामी, पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक, मोहनलाल गुप्ता के साथ ही जयपुर नगर निगम से जुड़े भाजपा के कई पार्षद और पार्टी से जुड़े कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद दिखे।

हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

संत समाज ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया. कार्यक्रम में राष्ट्रगीत भी गाया गया. कार्यक्रम के दौरान मृतक कन्हैयालाल को पुष्पांजलि अर्पित की गई. संत समाज के साथ ही विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुसार लिक संगठनों से जुड़े भी कई कार्यकर्ता पदाधिकारियों के साथ विभिन्न समाजों के हजारों लोग इस प्रदर्शन में नजर आए।

गोपालपुरा बाईपास व्यापार मंडल की कार्यकारिणी गठित

पवन गोयल बने पुनः तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गोपालपुरा बाईपास व्यापार मंडल की साधारण सभा सोमवार को होटल सफारी में आयोजित की गई। उक्त सभा में नव कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे सर्व सहमति से अध्यक्ष पद पर पवन गोयल को पुनः तीसरी बार निर्विरोध चुना गया है। कार्यकारिणी के मुख्य संरक्षक के पद पर प्रमोद गोयल, महामंत्री हरीश मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष लोकेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र सैनी, राजकुमार जैनानी, पवन कुमार गोयल, सहमंत्री के पद पर दिनेश गाड़ोदिया, रवि प्रताप सिंह, निखिल तालुका संगठन मंत्री के पद पर सोहित विजय, अंकित गोयल, राजेन्द्र जैन, कानूनी सलाहकार शिव सिंह शेखावत, पुलकित गोयल,प्रचारमंत्री के पद पर विष्णु जौहरी, पवन जैन, अंकित विजय को नियुक्त किया गया साथ ही आयोजित सभा मे यूथ विंग की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से निर्विरोध संयोजक के पद पर राघव गोयल को चुना गया।

अध्यक्ष पवन गोयल ने कहा कि गोपालपुरा बाईपास व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों के लिए कार्य करता आ रहा है और आगे भी पुरजोर तरीके से व्यापारियों के हितों के लिए संघर्षरत रहेंगे। अभी ज्वलंत समस्या के रूप में गोपालपुरा बायपास रोड को 12 लेन से 6 लेन किया जा रहा है उसका पुरजोर विरोध कर के इस रोड को यथावत रखने के लिए पूर्ण प्रयास होंगे।

कंप्यूटर अनुदेशक बनने के लिए 40% अंक लाना जरूरी

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती परीक्षा की संशोधित विज्ञप्ति जारी की है। जिसके तहत 10,157 पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा में अब सिर्फ 40% से ज्यादा अंक लाने वाले कैंडीडेट्स को ही सिलेक्ट किया जाएगा। वहीं नियम 28 के अनुसार इसमें एससी एसटी कैटेगरी को 5% की छूट दी जाएगी। कर्मचारी चयन बोर्ड की और से जारी संशोधन के अनुसार अब कंप्यूटर अनुदेशक के पेपर में अभ्यर्थियों को 40-40 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। पिछले साल शिक्षा विभाग ने सीधी भर्तियों के जरिए योग्य शिक्षकों का चयन करने के लिए भर्ती परीक्षा में न्यूनतम अंक प्राप्त करने का प्रावधान लागू किया था। दरअसल, 18 और 19 जून को आयोजित कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती परीक्षा होने के बाद से ही अभ्यर्थियों ने विवाद शुरू कर दिया था। उनका कहना था कि भर्ती परीक्षा का पेपर निर्धारित पैटर्न से काफी कठिन था।

हेरिटेज निगम, शर्तों ने बिगाड़ा मामला

गलियों के लिए सरकार ने 25 करोड़ दिए पर सफाई के लिए कोई फर्म नहीं आई क्योंकि निगम की शर्तें लागू थीं

सफाई के लिए निकाले गए टेंडर में किसी फर्म ने भाग नहीं लिया अब फिर से टेंडर किए गए हैं। 17 जुलाई को टेंडर खोले जाएंगे। जल्द सफाई सुनिश्चित की जाएगी।
-मदन मोहन शर्मा, एक्सईएन हेरिटेज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। शायद निगम हेरिटेज के अधिकारी चाहते ही नहीं कि शहर साफ रहे। परकोटे की 5400 गंदी गलियों को साफ करने के लिए राज्य सरकार ने बजट घोषणा में 25 करोड़ रुपए दिए थे। इसके बाद भी परकोटे की गलियां गंदी ही है। क्योंकि निगम अधिकारियों ने टेंडर में ऐसी शर्तें लगाई हैं कि सभी फर्मों ने सफाई का टेंडर उठाने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि निगम अधिकारियों ने नियम-शर्तों में बदलाव कर टेंडर किए हैं।

बड़ा सवाल यह कि..टेंडर प्रक्रिया अब शुरू होगी तो फिर सफाई कब होगी? अफसरों का दावा था मानसून के पहले ही नालों के साथ-साथ गलियों की भी सफाई कर दी जाएगी। सबसे अधिक स्थिति किशनपोल जोन की खराब है। यहां 2700 गलियों की सफाई होनी है।

बीवीजी को 5 साल में 13 करोड़ रुपए का भुगतान: बीवीजी को मई 2017 में डोर टु डोर कचरा कलेक्शन के साथ ही 5400 गलियों की भी नियमित सफाई करनी थी। कंपनी को 50 रुपए प्रतिटन कचरे के हिसाब से भुगतान होना था। प्रतिदिन 1400 टन कचरे के हिसाब से 5 साल में 13 करोड़ का भुगतान हुआ है।

सफाई न होने की 7 शर्तें

1. टेंडर फर्म द्वारा 10 करोड़ रुपए का कार्य तीन वर्ष किया हो। किसी 1 साल में सिंगल बिड में काम जरूरी।
2. टेंडर में एक मात्र बोली दाता या कांसोंटियम ग्रुप का होना आवश्यक है। ग्रुप में एक साथ दो ही कंपनियों को काम करने की अनुमति।
3. निविदादाता को आदेश के 1 माह में गलियों की सफाई करनी होगी।
4. भुगतान गली या कचरे के वजन में जो कम होगा उसके हिसाब से।
5. सफाई की फोटोग्राफी जरूरी।
6. 24 घंटे में कचरा नहीं उठाने पर 5000 रुपए का प्रतिदिन जुर्माना
7. 1 माह में गली को साफ नहीं करने पर 1000 रुपए प्रतिदिन का जुर्माना।

अब वॉट्सऐप पर मिलेगा सर्टिफिकेट

जाति, मूल निवास सर्टिफिकेट की कॉपी लेने के लिए नहीं जाना पड़ेगा ई-मित्र

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ई-मित्र केन्द्रों पर ईडब्ल्यूएस, जाति, मूल निवास या अन्य किसी प्रमाण पत्र बनवाने वाले लोगों और प्रतियोगी परीक्षा (कॉम्पिटिशन एग्जाम) के लिए आवेदन करने वालों के लिए अच्छी खबर है। ई-मित्र से आवेदन करने वाले ऐसे लोगों को अब सर्टिफिकेट या ई-एडमिट कार्ड लेने के लिए ई-मित्र केन्द्र के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। डिपार्टमेंट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एण्ड कम्युनिकेशन (डीओआईटी) ने अब इन सर्टिफिकेट या दस्तावेजों को आवेदक के वॉट्सऐप पर उपलब्ध करवाने की सुविधा शुरू की है। डीओआईटी कमिश्नर संदेश नायक ने बताया कि कॉम्पिटिशन एग्जाम के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए इस सर्विस को कुछ दिनों बाद शुरू किया जाएगा। इसके लिए अभी वॉट्सऐप से सर्विस शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि ईडब्ल्यूएस, जाति, मूल निवास या अन्य किसी प्रमाण पत्र समेत अन्य प्रमाण पत्र वाट्सएप पर उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया को शुरू करवा दिया है।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर शहर की प्राइम लोकेशन मानसरोवर आवासीय योजना में
ई-ऑक्शन के माध्यम से

फार्म हाउस
खरीदने का सुनहरा अवसर

ई-ऑक्शन
11 जुलाई से
13 जुलाई, 2022

लोकेशन
सेक्टर-4, एस.एफ.एस. फन किंगडम के पास
बी-2 बाईपास, मानसरोवर
जयपुर

कुल फार्म हाउस-8
अभी ई-ऑक्शन हेतु उपलब्ध-5

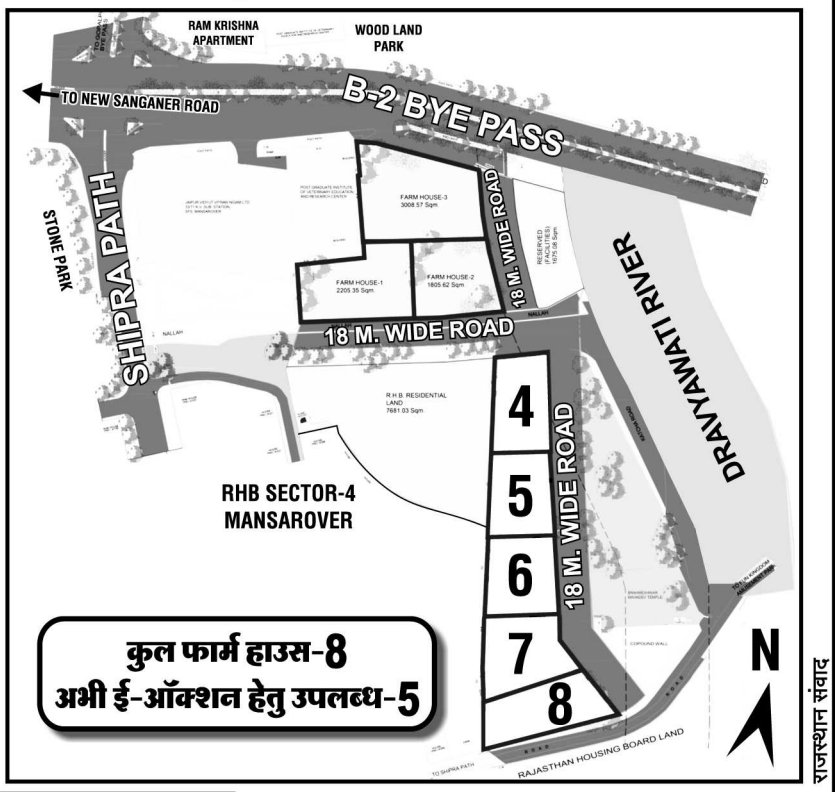

नियम व शर्तें लागू

आकर्षक भुगतान सुविधा के साथ

फार्म हाउस नम्बर	क्षेत्रफल व.मी.	न्यूनतम बोली मूल्य (प्र.व.मी)
4	1543.78 कॉर्नर	30,500/-
5	1515.51	29,000/-
6	1579.45	29,000/-
7	1747.68	29,000/-
8	1741.28 कॉर्नर	30,500/-

ई-ऑक्शन में भाग लेने, नियम व शर्तों एवं अन्य जानकारी के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 0141-2740009 कार्यालय समय उपरान्तः (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें।
मौका देखने के लिए उप-आवासन आयुक्त, मानसरोवर के कार्यालय में सम्पर्क करें।

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/1998

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

04

जयपुर, गुरुवार, 07 जुलाई, 2022

राहुल के बयान को उदयपुर से जोड़ने पर एफआईआर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र वायनाड के ऑफिस में तोड़फोड़ को लेकर दिए गए गलत बयान को उदयपुर की घटना से जोड़ने का

मामला पुलिस तक पहुंच गया है। इस मामले में टीवी चैनल पर प्रसारित करने और उसे कई बीजेपी नेताओं की ओर से फैलाने पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय प्रभारी रामसिंह कस्वां ने जयपुर के बनीपार्क थाने में FIR दर्ज कराई है। टीवी चैनल के प्रमोटर, एडिटर, एंकर और बीजेपी सांसद, विधायक समेत अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। आरोप है कि चैनल और बीजेपी नेताओं सहित अन्य ने राहुल गांधी के वायनाड़ के बयान को तोड़ मरोड़कर आमजन को भड़काने और धार्मिक भावनाएं आहत करने की कोशिश की। इससे दंगा-फसाद और शांति भंग की स्थिति पैदा हो सकती है।

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल बोले...

अग्निपथ युवाओं से धोखा: 6 महीने में तो आदमी ठीक से बंदूक चलाना भी नहीं सीखता, टैंक कैसे चलाएगा?

हिलव्यू समाचार

कोटा। अग्निपथ योजना व राहुल गांधी से ईडी पूछताछ के विरोध में कांग्रेस ने कलेक्ट्री पर धरना दिया। धरने को संबोधित करते हुए UDH मंत्री शांति धारीवाल ने कहा एक तरफ तो केंद्र सरकार सेना को युवा बनाने व सशक्त बनाने की बात कह रही है। दूसरी तरफ वरिष्ठ सैनिकों के रिटायरमेंट की उम्र और बढ़ा रही है। ये सब धोखा है।

अग्निपथ में शुरू में 6 महीने की ट्रेनिग दी जाएगी। फिर 6 महीने उसे छुट्टी दे देंगे। 6 महीने में तो आदमी ठीक से बंदूक चलाना भी कायदे से नहीं सीख पाता। वो टैंक कहा से चलाएगा? मिसाइल कैसे दागेगा? उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि इस योजना का जमकर विरोध करना चाहिए। 4 साल की

नौकरी का सिस्टम अभी तो सेना में लागू किया जा रहा है इसको धीरे-धीरे सभी सरकारी विभागों में लागू करेंगे। धीरे धीरे बीजेपी शासित राज्यों में इसे लागू करेंगे। इसका सीधा मतलब है कि सरकार कर्मचारियों को पेंशन रकम बचाना चाहती है। ताकि उस पैसों को मनमर्जी अपने हिसाब से कहीं भी खर्च किया जा सके। अग्निवीरों को 4 साल बाद 10 लाख मिलेंगे। इसमें से 3 लाख टैक्स कट जाएगा। केवल 7 लाख बचेंगे। वो ज्यादा से ज्यादा शादी में खर्च कर देगा। फिर वो बेरोजगार का बेरोजगार रहेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने प्रदेश में कर्मचारियों की पेंशन बंद कर दी थी। वो तो भला हो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का,जिन्होंने एतिहासिक कदम उठाते हुए कर्मचारियों की पेंशन को वापस चालू किया। ये फैसला बीजेपी को पच नहीं रहा है। संबोधन के दौरान उन्होंने कोटा के विकास पर चुटकी लेते हुए कहां कि कोटा का क्या नक्शा बदल गया, मेरा खुद का नक्शा बदल गया।

मानसून के दौरान 3 माह की पाबंदी को किया दरकिनार, हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स को बीच दौरे से बुलाकर किए 150 ट्रांसफर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में बाघ संरक्षण, उनके रीलोकेशन और रणथंभौर में संघर्ष की भयानक स्थिति के बावजूद वनमंत्री ने इस ओर अभी तक कोई बैठक तक नहीं ली। तेज गर्मी के बाद मानसून का यह समय बाघ रीलोकेशन के लिहाज से उत्तम समझा जाता है, इसके बावजूद पूरा विभाग चहेतों के तबादलों में लगा हुआ है। वह भी तब जबकि मानसून के तीन महीने प्लांटेशन की प्लानिंग और वन-सुरक्षा के तहत तबादलों पर रोक रहती है।

इधर, वनमंत्री से लेकर प्रधान मुख्य वन संरक्षक तक इसी पर माथापच्ची किए हुए हैं। यहां तक कि हाफ डीएन पांड्य को तबादला सूचियां फाइनल करने के लिए अलवर के बीच दौरे से वापस जयपुर बुलाया गया। देर शाम तक 150 वनरक्षक, वनपाल, रेंजर के तबादले कर भी दिए गए। सामने आया कि 500 से ज्यादा कैटल गार्ड, फोरेस्टर, रेंजर आदि को ट्रांसफर करने की सूचियां मंथन में हैं। इससे तीन दिन पहले 227 के ट्रांसफर किए जा चुके, जिनके पास मानसून के दौरान जंगल सहेजने, प्लांटेशन के प्लान किए जा चुके थे।

..इधर मुख्यमंत्री गहलोत की बनाई एक्सपर्ट कमेटी की राय-सरिस्का और रामगढ़ में ट्रांसफर हो टाइगर, कुंभलगढ़ भी काम तेज करें: स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड के सदस्य और मुख्यमंत्री की ओर से बनाई मेंबर एक्सपर्ट कमेटी फॉर टाइगर कंजर्वेशन के सदस्य धीरेंद्र गोधा और सुनील मेहता ने कहा कि प्रदेश में दूसरे टाइगर रिजर्व और बनाए जाने चाहिएं। वहीं कुंभलगढ़ में अपार संभावनाएं हैं, जिसको लेकर केंद्र सरकार की रिपोर्ट पर आगे बढ़ने की जरूरत है। सरिस्का को फिर से आबाद करने के लिए न केवल रणथंभौर बल्कि महाराष्ट्र आदि से टाइगर लाने की जरूरत है।

यह इकलौता ऐसा टाइगर रिजर्व है, जो एनसीआर, गोल्डन ट्राइंगल में आता है। यहां टाइगर की मांग और निर्णय भी हो चुके, जिनको अमल में क्यों नहीं लाया गया? यही नहीं रामगढ़ विषधारी, मुकंदरा में भी जल्द टाइगर ले जाने की जरूरत है। इससे न केवल रणथंभौर में संघर्ष कम होगा, बल्कि प्रदेश की पहचान टाइगर स्टेट के तौर पर होगी। इसका फायदा टूरिज्म, रोजगार को मिलेगा।

जहां तक बाघों का मसला है, रणथंभौर से हम जल्द से जल्द मुकंदरा, रामगढ़ विषधारी, सरिस्का में बाघ शिफ्ट करने की कोशिश करेंगे।

-डॉ. डीएन पांड्य, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वनमंत्री लिस्ट के बाद से मामले में बातचीत से कटे रहे)

विलेज रीलोकेशन पर काम नहीं

20 साल से सरिस्का में बाघ संरक्षण से जुड़े सरिस्का टाइगर फाउंडेशन के संरक्षक दिनेश दुर्रानी के मुताबिक सरिस्का में गांव वाले विस्थापन को तैयार हैं। तीन साल से यहां के मैनेजमेंट ने इस पर बेहतर काम भी किया है। लेकिन अब इस दिशा में अच्छे नतीजों के लिए पुरानी विस्थापन नीति और मुआवजों में बदलाव की जरूरत है। इस बारे में मुख्यमंत्री को भी लिखा है। तभी सरिस्का और टाइगर के लिए अच्छे दिन आएंगे। यह स्थिति दूसरे टाइगर रिजर्व में भी है। वनमंत्री ने पिछले दिनों दो साल से ज्यादा समय एक ही जगह टिके रहने वालों की सूचियां मांगी थीं। विभाग यह तो पूरी तरह तैयार नहीं कर पाया, लेकिन इस निर्देश के बाद सबने खुद को बचाने तो किसी ने दूसरे की जगह हथियाने को मंत्री और उनके निजी स्टाफ के यहां दौड़ भी लगा दी। हुआ ये कि दो साल का नियम तो धरा रह गया, बल्कि तलवार न केवल कुछ महीने वालों पर भी चली। कई तबादलों को लेकर शिकायतें भी सार्वजनिक है।

राजस्थान में हर उम्र के खिलाड़ी खेलेंगे ग्रामीण ओलंपिक

31 जुलाई तक कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन, 29 अगस्त से 2 अक्टूबर तक होगा आयोजन

अब तक 27 लाख से ज्यादा राजस्थानियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दुनियाभर में पहली बार राजस्थान में दादा-पोते एक साथ मैदान में खेलते नजर आएंगे। 29 अगस्त से 2 अक्टूबर तक राजस्थान में होने वाले ग्रामीण ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। खेल विभाग द्वारा ग्रामीण ओलंपिक में शामिल होने के लिए आज से 31 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिसमें हर उम्र के खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे। राजस्थान में होने वाले इस पूरे आयोजन में राज्य सरकार द्वारा 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

44 हजार गावों में होगा आयोजन: ग्रामीण ओलंपिक खेलों का आयोजन गांव, ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा। जिसमें प्रदेश के 44 हजार 795 गांव और 11 हजार 341 ग्राम पंचायत और 352 ब्लॉक स्तर पर इन खेलों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण ओलंपिक खेल दो फेज में आयोजित होगा। जिसमें पहले फेज में ग्राम पंचायत स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं होंगी। जबकि दूसरे फेज में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण ओलंपिक में कबड्डी, वॉलीबॉल, हॉकी, शूटिंग वॉलीबॉल, खो-खो और टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में मुकाबले होंगे। पहले ग्रामीण ओलिंपिक का आयोजन 14 नवम्बर से किया जाना था। लेकिन तब अधिकारी-कर्मचारी इस समय प्रशासन गांवों और शहरों के संग अभियान में जुटे हैं।

गांव की प्रतिभा को मिलेगा मंच

खेल मंत्री अशोक चांदना ने बताया कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में छिपी खिलाड़ियों की प्रतिभा को तलाशने के लिए ग्रामीण ओलिंपिक का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बिना किसी उम्र के बंधन के हर आयु वर्ग का व्यक्ति शामिल हो सकता है। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर खिलाड़ियों को पुरस्कार और सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। खेल मंत्री ने बताया की दुनिया के इतिहास में यह पहला आयोजन है। जिसमें युवा से लेकर 100 साल तक की उम्र के 27 लाख से ज्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे। जिनमें स्कूल में पढ़ने वाले बच्चो के साथ ही एक लाख से ज्यादा खिलाड़ी ऐसे है। जिनकी उम्र 50 साल से ज्यादा है।

मंत्री-एसएमएस प्रिंसिपल विवाद

24 घंटे में महिला-जनाना अधीक्षक बदले, महिला चिकित्सालय में फिर से डॉ. आशा, जनाना में कुसुम मीणा मुखिया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। महिला-जनाना अस्पताल में नए अधीक्षक लगाने के फैसले को 24 घंटे में ही बदल दिया गया। बुधवार को दोनों अस्पतालों के अधीक्षक पद के लिए हुए आदेशों के बाद चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीना और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी में 'विवाद' खड़ा हो गया है। इसके बाद प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी को बैकफुट पर आना पड़ा। मंत्री के विरोध के बाद दोनों अस्पतालों के अधीक्षकों को 24 घंटे में बदल दिया गया। नए आदेश के तहत महिला अस्पताल में डॉ. आशा वर्मा को यथावत अधीक्षक रखा गया है। इनकी जगह बुधवार को डॉ. कुसुमलता मीणा को लगाया गया था।

अब डॉ. कुसुमलता मीणा को जनाना अस्पताल का अधीक्षक बनाया गया है। गुरुवार के आदेश में जनाना अस्पताल के अधीक्षक बनाए गए डॉ. ओबी नागर को हटा दिया गया है। डॉ. सुधीर भंडारी का कहना है कि तकनीकी की गलती होने की वजह से बुधवार को हुए आदेश में गुरुवार को संशोधन किया गया है। विवाद जैसी कोई बात सामने नहीं आई है।

डॉ. भंडारी ने बुधवार को चिकित्सा मंत्री को बिना 'विश्वास' में लिए ही तीन अस्पतालों के अधीक्षक बदल दिए थे। इसके बाद गुरुवार को

महिला चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ. आशा वर्मा ने मंत्री के सामने अपना विरोध दर्ज कराया। डॉ. वर्मा का कहना था कि 62 साल की उम्र तक अधीक्षक बने रहने का आदेश है।

फिर मुझे कैसे हटाया गया? इस आपत्ति के बाद चिकित्सा प्रशासन बैकफुट पर आ गया और अधीक्षक बदलने के आदेश जारी कर दिए। डॉ. आशा वर्मा एसएमएस अस्पताल के सीनियर प्रोफेसर एवं कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. चंद्रभान मीना की पत्नी हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही रामगंज में 4 मुस्लिम डॉक्टरों के तबादले के विरोध के बाद उन्हें उसी जगह पदस्थापित कर दिया था।

डॉ. सुधीर भंडारी का वीआरएस मंजूर, लेकिन प्रिंसिपल का पद खाली: चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एसएमएस मेडिकल के कॉलेज डॉ. सुधीर भंडारी का वीआरएस मंजूर कर लिया है। हालांकि विभाग ने कार्यवाहक प्रिंसिपल के आदेश जारी नहीं किए हैं। ऐसे में मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक कार्य रुकने तय हैं। डॉ. भंडारी आरयूएचएस के स्थाई कुलपति होंगे। ऐसे में वीसी की जिम्मेदारी लेने से पहले डॉ. भंडारी को प्रिंसिपल पद से हटना तय माना जा रहा था।

प्रिंसिपल नया आया तो एडिशनल प्रिंसिपल का कार्यकाल बढ़ेगा: एसएमएस कॉलेज के प्रिंसिपल के साथ चिकित्सा विभाग एडिशनल प्रिंसिपल को भी बदल सकता है, क्योंकि इन्हें लगे तीन साल या उससे अधिक समय हो गया है। नियमों के अनुसार इनका कार्यकाल एक साल बढ़ाया जा सकता है।

विधायक के विरोध के स्वास्थ्य मंत्री ने वापस लिए थे आदेश: चिकित्सा विभाग में डाक्टरों के तबादलों को लेकर पहले भी चिकित्सा मंत्री और विधायक आमने-सामने हो चुके हैं। मंत्री विधायक क्षेत्र में लगे चार मुस्लिम डाक्टरों को बिना विधायक की जानकारी में डाले बदल दिया गया था।

वॉल्वो में दिल्ली का किराया एसी चेयर कार से डबल

रोडवेज ने 200 बढ़ाए, 700 की जगह लेंगे 900 रुपए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर से दिल्ली का लग्जरी बस में सफर आज से 30 फीसदी महंगा हो जाएगा। राजस्थान रोडवेज ने लग्जरी वॉल्वो बस के किराये में 200 रुपए का इजाफा किया है, जो आज रात 12 बजे से लागू होगा। बढ़े हुई दरों से साथ अब यात्रियों को रोडवेज की वॉल्वो बस में 700 की बजाए 900 रुपए किराया देना होगा। वहीं रोडवेज की ओर से आज रात 12 बजे से वॉल्वो बसों में सफर करने वाले यात्रियों को पीने के पानी की बोतल देने की भी सुविधा शुरू करेगा। कोविड के बाद से रोडवेज ने बसों में पानी की सुविधा देने की प्रक्रिया को बंद कर दिया था।

रोडवेज अधिकारियों की माने तो पिछले 3-4 महीने से डीजल की कीमतों में इजाफा होने के बाद रोडवेज की संचालन कॉस्ट दिल्ली रूट पर ज्यादा आने लगी। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में डीजल करीब 18 रुपए महंगा हो गया है, जिसके कारण इस रूट पर चलने वाली वॉल्वो बसों में प्रति किलोमीटर कॉस्ट 6 रुपए तक बढ़ गई है।

रोडवेज ने साल 2020 में कोरोना महामारी आने के बाद घटते यात्री भार को देखते हुए जयपुर-दिल्ली रूट पर वॉल्वो बस के किराए में 200 रुपए की छूट दी थी। अब डीजल और अन्य खर्चे बढ़ने का हवाला देते हुए रोडवेज इस छूट को खत्म कर रहा है।

सांगानेर की कपड़ा रंगाई-छपाई इकाइयों की मुश्किल बढ़ी: उद्यमियों ने कहा...

सरकारी आदेश से रंगाई-छपाई उद्योग ठप हो जाएगा, करोड़ों के निवेश व रोजगार पर होगा असर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सांगानेर के कपड़ा रंगाई-छपाई उद्योग की मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ गई है। सरकार ने इनको कॉमन एफ्लुेंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को 15 जुलाई तक चालू करने और पंपिंग स्टेशन व पाइपलाइन बिछाने के बचे काम को पूरा करने को कहा है। तय समय तक प्लांट चालू नहीं करने पर रंगाई-छपाई इकाइयों के खिलाफ कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

इस संबंध में 22 जून को मुख्य सचिव ऊषा शर्मा के साथ बैठक भी की गई थी। लेकिन सरकार ने मदद की बजाय की इन पर तलवार लटका दी है। उद्यमियों का कहना है कि प्लांट का ठेका लेने वाली कंपनी बचा काम पूरा करने को तैयार नहीं है। सरकार ठेकेदार बदलने की अनुमति नहीं दे रही है। अभी दस किलोमीटर पाइप लाइन बिछाना बाकी है। ऐसे में 15 जुलाई तक प्लांट को किसी भी सूरत में चालू करना मुश्किल होगा। सरकार के आदेश से सांगानेर का रंगाई-छपाई उद्योग ठप हो जाएगा। करोड़ों के निवेश के साथ हजारों लोगों के रोजगार पर असर होगा। उधर, पर्यावरण विभाग के उपनिदेशक राकेश माथुर ने 15 जुलाई तक सीईटीपी को चालू करने, पंपिंग स्टेशन और पाइपलाइन के बाकी बचे काम को पूरा करने के साथ राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को नोटिस देने का आदेश जारी कर दिए हैं।

ठेकेदार को पाबंद करने की बजाय हम पर ही थोपी जिम्मेदारी: एसो.

सांगानेर कपड़ा रंगाई- छपाई एसोसिएशन के अध्यक्ष देवीशंकर खत्री का कहना है कि मुख्य सचिव के साथ वार्ता में बाकी बची 550 यूनिट को सीईटीपी से जोड़ने और पंपिंग स्टेशन बनाने के लिए नए ठेकेदार से बाकी बचे काम को पूरा कराने पर सहमति बनी थी, लेकिन सरकार की ओर से जारी मिनिट्स में इसका जिक्र नहीं है। राज्य सरकार ने पुराने ठेकेदार को बचा काम करने के लिए पाबंद भी नहीं किया। सरकार ने सारी जिम्मेदारी सांगानेर एनवायरो प्रोजेक्ट डवलपमेंट पर थोप दी है।

एसोसिएशन के पदाधिकारी कंपनी के निदेशक हैं। गौरतलब है कि सांगानेर के कपड़ा उद्योग को प्रदूषण मुक्त करने के लिए 160 करोड़ के सीईटीपी में 50 फीसदी राशि केंद्र सरकार, 25 फीसदी राज्य सरकार और 25 फीसदी सांगानेर के उद्यमियों को देनी है। इसके लिए अहमदाबाद की कंपनी एडवेंट एन्वायरो को सीईटीपी लगाने का काम सौंपा गया था। कंपनी से 145 करोड़ रुपए और जीएसटी यानी कुल 159 करोड़ का अनुबंध था। ठेकेदार कंपनी को 125.65 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अब 7 करोड़ बाकी बचे काम के बाद देने हैं, लेकिन कंपनी 12 करोड़ मांग रही है। जबकि ठेके की शर्तों के मुताबिक काम पूरा होने के बाद कंपनी को 14 करोड़ का भुगतान करना है।

एक नज़र

भीम सेना चीफ बोले... मेरी गाड़ी चला रही जयपुर पुलिस: कहा

थाने में जब्त मेरे मोबाइल से पुलिस ने की छेड़छाड़, कराऊंगा एफआईआर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दो दिन जयपुर सेन्ट्रल जेल में रहकर बाहर आए भीम सेना के चीफ चंद्रशेखर आजाद ने पुलिस पर गम्भीर आरोप लगाए हैं। चंद्र शेखर ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जो कर रहे हैं। उनको इस का जवाब देना होगा। जेल से बाहर आने के बाद विधायकपुरी थाने पहुंचे आजाद पुलिस रवैये से फिर नाराज हो गए। आजाद ने विधायकपुरी थाने पहुंच कर मीडिया को बताया कि पुलिस ने तीन दिन पहले उन्हे आरटीडीसी के होटल रूम से जबरन गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कर थाने लेकर आए फिर रात 3बजे अन्य 20 लोगों को अलग-अलग थानों में रखा।

पुलिस ने धारा 144 के उलंघन में सभी को गिरफ्तार किया है। दो दिन जेल जाने के बाद आजाद जब जब्त सामान लेने विधायकपुरी थाने पहुंचे तो आजाद ने उनके सामान से छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस को दी। आजाद ने कहा कि उनके जब्त सामान और मोबाइल से छेड़छाड़ की है। उनके मोबाइल में कई दस्तावेज और कॉटेक्ट है जिन से पुलिस ने छेड़छाड़ की है। यही नहीं आजाद और अन्य साथियों के जब्त वाहनों को पुलिस लेकर घूम रही है। अगर इन वाहनों से किसी की दुर्घटना हो जाए तो किस की जिम्मेदारी होगी। वहीं जब्त वाहन को पुलिस निजी और सरकारी काम में कैसे ले सकती है।

थाने में दी है शिकायत दर्ज नहीं किया तो कोर्ट का सहारा लेंगे

आजाद ने इस सम्बंध में थाने में लिखित शिकायत दी है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया है आजाद का कहना है कि पुलिस अगर मामला दर्ज नहीं करेगी तो वह कोर्ट का सहारा लेंगे। कोर्ट से पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज कराएंगे। आजाद ने बताया कि गहलोत सरकार की पुलिस ने धारा 144 के उलंघन के मामले में उन्हे होटल से गिरफ्तार किया वहीं दूसरी पार्टी के लोग जनसभा कर रहे हैं उन्हे क्यो नहीं रोका गया।

ऑर्डर थे...गोली मत मारना, गला रेतकर वीडियो बनाना

भारी हथियार बनाया ताकि झटके में गर्दन कट जाए, अजमेर से बनना था तीसरा वीडियो

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या का असली मकसद आतंक की दहशत कायम करना था। तय था कि कन्हैयालाल को गोली नहीं मारनी है। आतंकवादी संगठन ISIS की तरह गला काटना है और उसका वीडियो भी बनाना है, ताकि देखने वालों की रूह कांप जाए। कन्हैयालाल ही नहीं, नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले कई लोग इन हत्यारों के निशाने पर थे। आतंक के नेटवर्क की पड़ताल के लिए उदयपुर की एसके इंजीनियरिंग फैक्ट्री में भी गई, जहां हत्यारों ने हथियार तैयार किए थे। दोनों ने कई ऐसे हथियार बनाए, जिनसे आसानी से सर को धड़ से अलग किया जा सकता था। एक हत्यारा गौस मोहम्मद वेल्डर का काम करता है, उसी ने हथियार तैयार किए। दोनों ने इसी फैक्ट्री में हत्याकांड से पहले और बाद में वीडियो भी बनाए थे। पुलिस ने इसी फैक्ट्री से कई हथियार बरामद किए हैं।

बाइक पर था मुंबई हमले की तारीख का नंबर 2611, पहले से स्टार्ट रखी थी: गौस और रियाज दोनों कन्हैयालाल की हत्या के लिए बाइक लेकर पहुंचे थे। बाइक पर मुंबई हमले की तारीख 2611 का नंबर था। दोनों ने दुकान से 70 मीटर दूर गली के कोने पर बाइक को स्टार्ट ही छोड़ दिया था, ताकि आसानी से फरार हो सकें। हत्या के बाद दोनों बाइक लेकर देवगढ़ की ओर एक गैराज में गए।

दोनों का वहीं रुकने का प्लान था, लेकिन गैराज वाले ने मना कर दिया। इसके बाद दोनों बाइक लेकर गांवों के रास्ते से राजसमंद के भीम की ओर भागे। उनका अजमेर भागने का प्लान था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। बाइक भी पुलिस की कस्टडी में है।

टायर कारोबारी की भी हत्या का था प्लान: गौस और रियाज का उदयपुर में एक टायर कारोबारी की हत्या का भी प्लान था। कारोबारी नितिन जैन ने बताया कि उन्होंने 7 जून को नुपूर शर्मा की पोस्ट गलती से शेयर कर दी थी। माहौल खराब करने के नाम पर उसके खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने नितिन को भी गिरफ्तार किया था।

9 जून से 7 लोग लगातार उसकी दुकान पर रेकी कर रहे थे। 11 जून को ये आतंकी नितिन की हत्या करने की फिराक में थे। डर के कारण नितिन ने दुकान पर ही जाना बंद कर दिया और उदयपुर छोड़कर किसी अन्य शहर में चले गए।

दोनों हत्यारे तीसरा वीडियो अजमेर से बनाने वाले थे: जांच में पता लगा कि रियाज और गौस अजमेर पहुंचकर इस हत्याकांड से जुड़ा तीसरा वीडियो बनाने वाले थे। दोनों की मंशा यही थी कि हत्या के बाद दहशत फैलाने के लिए तीसरा वीडियो भी वायरल किया जाए। ह्द्ध जांच कर रही है कि दोनों अजमेर में कहां और किसके पास रुकने वाले थे।

6 दिन पहले ही लगाए थे सीसीटीवी, हत्यारों ने कनेक्शन काटा: पत्नी यशोदा ने बताया कि कन्हैयालाल 15 दिनों से बहुत परेशान चल रहे थे। शिकायत के बाद भी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। उनकी दुकान पर रेकी की जा रही थी। रोजाना धमकी मिल रही थी। तब उन्होंने 6 दिन पहले ही दुकान में सीसीटीवी लगवाए थे। रियाज और गौस ने हत्या का जो वीडियो बनाया, उसमें भी सीसीटीवी दिखाई दे रहा है। रियाज और गौस को इसका पता चल गया था, इसलिए उन्होंने दुकान में घुसने से पहले सीसीटीवी का कनेक्शन काट दिया था।

उदयपुर तालिबानी हत्याकांड

भारी मेटल का था हथियार...ताकि एक झटके में गर्दन कट जाए

रियाज जब्बार और गौस मोहम्मद को ऑर्डर मिला था कि नूपुर शर्मा के समर्थकों को गोली नहीं मारनी है। गला काटना है और इसका वीडियो बनाकर वायरल करना है ताकि देशभर में दहशत का माहौल बन सके।

गौस मोहम्मद ने फैक्ट्री में भारी मेटल से खुद ही गंडासे जैसा दिखने वाला हथियार बनाया। ज्यादा वजन के इस हथियार की धार भी तेज रखी गई ताकि एक ही झटके में गर्दन कट सके। ये ऑर्डर दोनों को ट्रेनिंग देने वालों ने ही दिए थे। हत्याकांड की जांच कर रही SIT के अधिकारियों के मुताबिक दोनों को ट्रेनिंग देने वालों के बारे में फिलहाल पता नहीं चल सका है।

कई लोगों की हत्या की प्लानिंग थी

रियाज और गौस ने वॉट्सऐप से कई युवाओं को जोड़ रखा था। वे चाहते थे कि कन्हैयालाल की हत्या के बाद पुलिस उन्हें पकड़ भी ले तो दूसरे साथी नुपूर शर्मा की पोस्ट का समर्थन करने वाले लोगों की इसी तरीके से हत्याएं करते रहें, इसीलिए उन्होंने कन्हैयालाल की हत्या से पहले अपने साथियों को उकसाने के लिए वीडियो बनाया था। वीडियो में रियाज ने कहा था कि वो पकड़ा जाएगा लेकिन हत्याएं जारी रहनी चाहिए।

बाइक से पीछा करने लगे तो मारने की धमकी दी

30km तक पीछा करते रहे दो सगे भाई, पुलिस को

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उदयपुर के कन्हैया की हत्या कर फरार हुए रियाज और गौस मोहम्मद को भीम (राजसमंद) के दो सगे भाईयों ने पकड़वाया था। इन युवकों ने ही दोनों बदमाशों के बाइक पर भागने की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद ये दोनों भाई बाइक लेकर बदमाशों के पीछे हो लिए। करीब 30 किलोमीटर दूर जाकर पुलिस नाकेबंदी में दोनों बदमाश पकड़े गए। ये दोनों भाई हैं शक्तिसिंह और प्रहलादसिंह। उन्होंने बताया कि करीब 30 किलोमीटर तक पुलिस नाकेबंदी और गश्त नहीं थी। उसके बाद भी वे लोग इन बदमाशों का पीछा करते रहे। पलपल की जानकारी पुलिस को देते रहे।

लसानी के प्रहलाद ने बताया कि उसे बाबूसिंह जी हैड कॉन्स्टेबल का फोन आया था कि उदयपुर में जो हत्याकांड हुआ है, उस के दो आरोपी आप की ओर भी आ सकते हैं। इस पर प्रहलाद अपने भाई शक्तिसिंह के साथ भीलवाड़ा-देवगढ़ मार्ग पर स्थित सूरजपुरा बस स्टैंड पर जा कर बैठ गए। इसी दौरान एक बाइक पर उसी शक्ल के दो युवक तेजी से निकले। इस पर प्रहलादसिंह ने बाइक से उनका पीछा करना शुरू किया।

प्रहलाद के भाई शक्तिसिंह ने फोन पर हैड कॉन्स्टेबल बाबूसिंह को जानकारी दी की दोनों बदमाश उन्हें दिखे हैं। दोनों उनका पीछा कर रहे हैं। 5 किलोमीटर पीछा करने पर दोनों बदमाशों ने प्रहलाद को डराया कि वह उनका पीछा न करें नहीं तो उनकी भी हत्या कर दी जाएगा। बदमाशों ने इस दौरान दोनों भाइयों को हथियार भी दिखाया। बाबूसिंह ने फोन पर बताया कि आगे नाकेबंदी है। पुलिस पकड़ लेगी, लेकिन वहां पर नाकेबंदी नहीं मिली। प्रहलाद के भाई शक्तिसिंह ने बताया कि सड़क पर कहीं पर भी नाकेबंदी नहीं थी। कई किलोमीटर बाइक चलाने के बाद पीछे से पुलिस गाड़ी आई तो पुलिसकर्मियों को हमने बदमाशों के आगे भागने की जानकारी दी। जिस पर पुलिस जीप बदमाशों का पीछा करने लगी। जिसके बाद दोनों भाई भी पुलिस जीप के पीछे हो गए। पुलिस ने बदमाशों को घेर कर पकड़ा।

कोर्ट ने कहा... पिता को मिले बेटा, तो निकले आंसू

SDM कोर्ट ने मां को दी थी कस्टडी, लिपटकर रोये थे पिता-पुत्र

हिलव्यू समाचार

झुंझुनूं। झुंझनूं में अपर सेशन न्यायाधीश (ADJ) आशुतोष ने एक पारिवारिक मामले में बेटे की कस्टडी फिर से पिता को सौंपने के आदेश दिए। आदेश मिलते ही पिता प्रीत सिंह की आंखों से खुशी के आंसू बह निकले। एडीजे कोर्ट ने सूरजगढ़ थानाधिकार और सूरजगढ़ एसडीएम को आदेश दिए हैं कि तुरंत बच्चे जतिन (6) की कस्टडी उसके पिता प्रीत सिंह को सौंपी जाए और पालना रिपोर्ट 5 जुलाई तक कोर्ट में पेश की जाए।

अभी एसडीएम कोर्ट के आदेश से बच्चा अपनी मां के पास है। एसडीएम चिड़ावा ने 29 जून को आदेश जारी बच्चे को मां को सौंप दिया था। बच्चे अपने पिता और दादा के पास रहना चाहता था। एसडीएम के आदेश के बाद पिता से बेटे को दूर किया गया तो एक तरफ बेटा बेचैन हो गया तो दूसरी तरफ पिता बेहोश होकर गिर गया था। यह वाक्या देखकर हर कोई की आंखें नम हो गई थी।

चिड़ावा में एसडीएम कोर्ट के 29 जून के फैसले ने पिता-पुत्र को अलग कर दिया था। पिता सदमे में बेहोश हो गया था। शनिवार को उस पिता की एडीजे कोर्ट में जीत हुई। बेटे को पिता को सौंपने के आदेश दिए गए। दरअसल, बेटे जतिन को उसकी इच्छा के विरुद्ध चिड़ावा एसडीएम कोर्ट ने मां सुमन के साथ भेज दिया था। इस फैसले के खिलाफ पिता ने अपने बेटे को पाने के लिए एडीजे कोर्ट में अपील की थी।

सुनवाई के लिए प्रीत सिंह अपने वकील के साथ झुंझुनूं एजीजे कोर्ट पहुंचा। एडीजे ने वकीलों और प्रीत की बात सुनी। एडीजे आशुतोष कुमावत ने मामले में प्रीत सिंह के पक्ष में फैसला सुनाया। एसडीएम कोर्ट और प्रीत की पत्नी सुमन को आदेश दिया गया कि जतिन को तुरंत उसके पिता को सौंपा जाए। फैसले की पालना रिपोर्ट कोर्ट में 5 जुलाई तक पेश की जाए। प्रीत सिंह जाट की ओर से वकील राजेश डेला, प्रमोद कुमार आदि ने पैरवी की।

ये था पूरा मामला: खापड़वास (झज्जर) निवासी प्रीत सिंह जाट की शादी बेरला निवासी सुमन के साथ हुई थी। दोनों को एक बेटा व एक बेटी हुई। दोनों के बीच मनमुटाव रहने लगा तो फरवरी 2022 में सुमन ने प्रीत के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करा दिया। पति पत्नी अलग रहने लगे। बेटी जिया मां के साथ रहने लगी तो बेटा जतिन पिता प्रीत सिंह के पास। सुमन ने एसडीएम चिड़ावा से बेटे की भी कस्टडी की मांग की थी, जिस पर एसडीएम कोर्ट ने बच्चे को मां के सुपुर्द करने का आदेश दे दिया था।

कार-पिकअप में भीषण भिड़ंत, 4 दोस्तों की मौत

खाटूश्यामजी दर्शन करने जा रहे थे, दोनों वाहनों के परखच्चे उड़े

हिलव्यू समाचार

दौसा। मनोहरपुर-कौथून हाईवे पर कार-पिकअप की भीषण टक्कर में चार दोस्तों की मौत हो गई। कार सवार युवक क्क के कानपुर जिले के रहने वाले थे और खाटूश्यामजी दर्शन को जा रहे थे। हादसा दौसा जिले के सैंथल थाना इलाके में मंगलवार सुबह हुआ है।

सैंथल थाना प्रभारी अजीत बडसरा ने बताया कि कानपुर जिले के नमस्ता क्षेत्र से 5 दोस्त कार से खाटूश्यामजी के दर्शन करने सोमवार सुबह 11 बजे निकले थे। दौसा के बापी गांव के पास मंगलवार सुबह 4¬30 बजे के करीब उनकी कार व पिकअप में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।

हादसे के वक्त दोनों ही वाहन तेज स्पीड में थे, भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए, वहीं पिकअप भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर के बाद चकनाचूर हुई कार में सभी पांचों दोस्त फंस गए।

पुलिस ने लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवकों को बाहर निकालकर इलाज के लिए जिला हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने 4 युवकों को मृत घोषित कर दिया।

वहीं एक युवक समेत पिकअप के ड्राइवर व उसके साथी को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया। हादसे की सूचना पर ASP डॉ लालचंद ने भी मौके पर पहुंच घटनास्थल का मुआयना किया।

बैंक में सवा करोड़ की डकैती का मामला

बिना हथियार खड़ा था गार्ड, बैग कम पड़े तो डेढ़ करोड़ छोड़ गए

अलवर। अलवर के भिवाड़ी में सोमवार को हुई सवा करोड़ की बैंक डकैती का CCTV फुटेज सामने आया है। फुटेज में 6 बदमाश पिस्तौल दिखाते हुए 25 बैंक कर्मचारी और 7 ग्राहकों को बंधक बनाते नजर आ रहे हैं। बदमाशों ने बंधक बनाए लोगों को स्ट्रॉन्ग रूम के सामने घुटनों के बल बैठा दिया था। बैग कम पड़ जाने के कारण डेढ़ करोड़ रुपए बदमाश बैंक में ही छोड़ गए।

दरअसल, रीको चौक एक्सिस बैंक में 6 हथियारबंद बदमाशों ने कर्मचारियों को बंधक बनाकर 90 लाख 43 हजार रुपए और करीब 25 लाख रुपए का सोना ले गए। हालांकि जल्दबाजी में बदमाश नोटों से भरा छोटा बैग वहीं छोड़ गए, जिसकी चेन बंद नहीं हो सकी। बदमाशों ने 16 मिनट में पूरी वारदात को अंजाम दिया। बदमाश सुबह 9:30 बजे बैंक में घुसे और 9¬46 बजे कैश-ज्वैलरी लेकर फरार हो गए।

सबसे पहले गार्ड को बनाया बंधक, मैनेजर को बट से मारा: बैंक में गेट पर गार्ड महेश शर्मा खड़ा था। गार्ड के पास हथियार तक नहीं था। डकैतों ने अंदर घुसते ही महेश के सिर पर पिस्तौल तान दी थी। इसके बाद बैंक मैनेजर अजीत यादव के चैंबर में पहुंचे और बट से मारा। मैनेजर ने बताया कि महज 1 ही मिनट में सभी स्टाफ को बंधक बना लिया। सभी को एक साथ खड़ा कर दिया और हाथ खड़े करवा दिए। मोबाइल भी छीन लिए। किसी को शक न हो इसके लिए एक डकैत गेट के बाहर खड़ा रहा और एक-एक को बैंक में एंट्री देता गया।

बैंक मैनेजर अजीत यादव, ऑपरेशन हेड चिराग व कैशियर विवेक पर गन तानकर स्ट्रॉन्ग रूम की तरफ ले गए। इन्हीं से ताला खुलवाया। स्ट्रॉन्ग रूम से 2000 व 500 के नोटों की गड्डियों को बैग में भरा। कुल 90.43 लाख रुपए कैश तीन बैग में भर लिए। वहीं पर बैंक में गिरवी रखा हुआ करीब 25 लाख रुपए के सोने की ज्वैलरी भी ले गए।

डर के मारे रोने लगे, काउंटर के नीचे छिपे: डकैती के बाद स्टाफ ने बताया कि बदमाशों ने गार्ड व मैनेजर से मारपीट भी की। हथियार दिखाए तो लोग डर गए। कुछ महिला कर्मी रोने लगी। इस पर डकैत बोले कि आप मत रोओ। हमारी लड़ाई सरकार से है। यह सरकार के रुपए है, जो हम ले जा रहे हैं। कुछ कर्मचारी काउंटर के नीचे छिप गए। इस दौरान बैंक में 25 कर्मचारी और 7 ग्राहक थे। इन सभी को बंधक बना लिया गया।

वैष्णोदेवी यात्रा करने वालों के लिए जयपुर से बस शुरू

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जम्मू, वैष्णो देवी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राजस्थान रोडवेज ने बस सर्विस शुरू करने का निर्णय किया है। 6 जुलाई से राजस्थान रोडवेज हर रोज एक बस कटरा के लिए चलाएगा। इस बस में एक यात्री को 1085 रुपए किराया देना पड़ेगा। ये बस वाया दिल्ली, लुधियाना होकर चलेगी।

राजस्थान रोडवेज के अध्यक्ष और एमडी संदीप वर्मा ने बताया कि कोविड से पहले राजस्थान रोडवेज जम्मू के लिए बस का संचालन करता था। कोविड के बाद से इस सर्विस को रोक दिया था। अब यात्रियों की सुविधा के लिए जयपुर से इसे फिर से शुरू किया जाएगा। इस सर्विस के शुरू होने से जम्मू के अलावा पंजाब के जालन्धर, लुधियाना जाने वाले यात्रियों को भी सीधी बस सर्विस मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन में लम्बी वेटिंग और यात्रियों की मांग को देखते हुए इस बस सर्विस को शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बस का संचालन 6 जुलाई से शुरू होगा। हर रोज एक बस जयपुर से सुबह 6.17 बजे सिंधी कैंप बस स्टेण्ड से चलेगी, जो गुड़गांव, दिल्ली, करनाल, अंबाला, लुधियाना, जालन्धर, पठानकोट, जम्मू होते हुए अगले दिन सुबह 4 बजे कटरा पहुंचेगी। वहीं वापसी में ये बस कटरा से दोपहर 12.40 बजे चलेगी जो अगले दिन सुबह 10 बजे इसी रूट से जयपुर पहुंचेगी।

बरसती बरखा में फैशन की बहार

FASHION जोन

कपड़ों का चुनाव व्यक्तित्व का अहम हिस्सा है, जिसका चयन आयोजन, समारोह, स्थान या फिर मौसम के अनुसार किया जाता है. जैसे गर्मियों में हम मोटे या गर्मी पैदा करने वाले कपड़े पहनने से बचते हैं, वहीं ठंड में मोटे कपड़े पहनते हैं और महीन व पतले कपड़ों से परहेज करते हैं, ताकि ठंड हमारे शरीर को प्रभावित न कर सके. उसी प्रकार बरसात के दिनों में भी कपड़ों का चयन सावधानी से करना चाहिए. कपड़ों का चयन इस प्रकार होना चाहिए जो शरीर के लिए आरामदेह हो और उमस भरे मौसम में शरीर को सुकून दे.

कॉटन है बेहतर

बारिश के दिनों में कॉटन के कपड़े पहन सकते हैं. बारिश के दिनों में मौसम में नमी बहुत होती है और सूती कपड़े नमी को सोखने का काम करते हैं. ऐसे में आप हल्की-फुल्की बारिश में भीग भी गए तो गीलेपन के कारण होने वाली परेशानी या चिड़चिड़ाहट नहीं होगी. लेकिन भीगने के बाद ये आसानी से नहीं सूखते, इस बात का ध्यान रखें.

नायलॉन फैब्रिक आजमाएं

भीगते मौसम में नायलॉन फैब्रिक काफी आरामदायक साबित हो सकता है. यह कपड़ा पानी को टिकने नहीं देता और गर्मी पैदा करता है. इस कपड़े की खासियत है कि यह बहुत जल्दी सूखता है, इसीलिए बारिश में आप इसे पहनने के बारे में सोच सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये कपड़े एकदम फिट न हों.

स्किन टाइट से बचें

इस मौसम में बहुत टाइट या स्किन फिटिंग के कपड़े पहनने से बचें, क्योंकि ये नमी लगने पर तुरंत पारदर्शी होते हैं.

जार्जेट या शिफॉन

इन कपड़ों का एक सकारात्मक पक्ष यह है कि ये कपड़े भीगने के बाद गर्मी या हवा में जल्दी और आसानी से सूख भी जाते हैं. इन कपड़ों में जरा भी नमी लगी या फिर भीग गए तो ये पारदर्शी हो सकते हैं, और आप गीलेपन से परेशान होंगे सो अलग. इसीलिए सोच-समझ कर इस तरह के कपड़ों का चयन करें.

स्कार्फ रखें पास

बारिश के दिनों में आप जो भी कपड़े पहनते हैं, उसके साथ एक मैचिंग या कलरफुल स्कार्फ या दुपट्टा जरूर साथ रखें, ताकि प्राथमिक तौर बाल, कान, ऊपरी वस्त्र की रक्षा कर सकें. कपड़ों के भीगकर पारदर्शी हो जाने पर यह स्कार्फ आपका सहयोग करेगा.

चटक रंगों का चुनाव

अन्य मौसम में भले ही चटक रंग बिल्कुल न भाते हों, लेकिन बारिश के मौसम में ये खूब पसंद किए जाते हैं. आप रेड, पिंक, यलो, लाइट ग्रीन के ब्राइट कलर्स को चुन सकते हैं.

फ्लोरल प्रिंट चुनें

बारिश के मौसम में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जाते हैं. क्योंकि बारिश हरियाली और बहार का मौसम होता है, ऐसे में रंगीन अंदाज हर किसी को भाता है.

कुंदन ज्वेलरी से एलिगेंट लुक

JEWELLERY जोन

वेडिंग पार्टी में जाना हो या इससे जुड़े किसी अन्य फंक्शन्स के लिए अगर आउटफिट्स सिलेक्ट हो जाएं, तो बात ज्वेलरीज पर आकर अटक जाती है. किस आउटफिट के साथ कौन-सी ज्वेलरी पहननी है और वह जंचेगी या नहीं, यह बात कन्फ्यूज करती है. ऐसे समय में व्हाइट डायमंड ज्वेलरीज रॉयल लुक देती हैं. व्हाइट डायमंड ज्वेलरीज खासतौर से पेस्टल कलर्स के अलावा ब्लैक और ब्राउन जैसे ब्राइट कलर्स आउटफिट्स के साथ भी पहनी जाती हैं. कुंदन मांगटीका और बैंगल्स को खास मौकों पर काफी तवज्जो दिया जाता है. गोल्ड प्लेटेड कुंदन ज्वेलरीज को साड़ी और लहंगा के साथ मैच करके पहना जा सकता है.

- रोज गोल्ड प्लेटेड स्टोन व कुंदन लगी ईयरिंग्स और ओवर साइज्ड फिंगर रिंग्स को भी आप अपने बैग में शामिल करें. इन दो ज्वेलरीज को यूज करके बेहतरीन फंक्शन्स लुक तैयार कर सकते हैं.
- लहंगा, साड़ी और दूसरे कई आउटफिट्स के साथ गोल्ड प्लेटेड कड़े भी काफी जंचते हैं, जिन्हें आप बैंगल्स की जगह या उनके साथ मैच करके पहन सकते हैं.
- गोल्ड प्लेटेड स्टोन लगे ईयरिंग्स और कड़े फंक्शन्स के दौरान पहने जानेवाले गोल्डन एम्ब्रॉयडर्ड ब्राइट कलर के आउटफिट्स से झट से मैच हो जाते हैं. सिम्पल लेकिन एलिगेंट लुक चाहते हैं, तो इस तरह की ज्वेलरीज ट्राई कर सकती हैं.

मुलेठी से सुलझेगी बालों की समस्या

HAIR केयर

लंबे काले घने बालों की चाहत हर कोई रखता है, लेकिन प्रदूषण और कई तरह की परेशानियों के कारण हर कोई बालों का झड़ना, सफेद होना या रूखे और बेजान बालों की समस्या से जूझता दिखाई देता है. हालांकि इन सभी समस्याओं से निजात पाने के लिए बाजार में कई तरह के हेयर प्रोडक्ट उपलब्ध हैं. लेकिन जब घरेलू उपायों से समस्या से निजात पा सकते हैं तो केमिकल वाले प्रोडक्ट के इस्तेमाल से बचा जा सकता है. लंबे बालों के लिए 1 छोटी कटोरी दही और एक छोटा चम्मच मुलेठी पाउडर, आधा केला, दो चम्मच मेहंदी पाउडर को मिलाकर पेस्ट बनाएं. आधे घंटे के लिए बालों में लगाएं. उसके बाद शैम्पू करें.

मेहंदी पाउडर और नारियल तेल

झड़ते बालों को रोकने के लिए आधा चम्मच मुलेठी पाउडर में 3 चम्मच आंवला पाउडर, 3 छोटे चम्मच मेहंदी पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच सरसों या नारियल का तेल लें और सभी को मिलाकर पेस्ट तैयार करें और रात भर के लिए लोहे के बर्तन में छोड़ दें. सुबह इस पेस्ट को बालों में लगाएं और सूखने के बाद शैम्पू करें.

सरसों और आंवला पाउडर

सफेद बालों की समस्या के लिए 3 छोटे चम्मच सरसों के तेल में 1 छोटा चम्मच मुलेठी पाउडर और 1 छोटा चम्मच आंवला पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें. 40 मिनट के लिए लगा रहने दें और फिर शैम्पू कर लें.

बारिश में भी सजा रहे घर

INTERIOR जोन

बारिश का मौसम बेहद रंगीन और शोख होता है. इस मौसम में घर को आकर्षक फैब्रिक से सजाएं. नमी वाला मौसम और बरसात की फुहारों में जरूरी नहीं कि घर की सजावट को पूरी तरह बदल दें, बल्कि थोड़े-से रंग और आकर्षक सजावटी सामानों के साथ आप अपने घर को इस मौसम में भी सजा-सजाया रख सकते हैं.

आकर्षण बढ़ाने के लिए

उन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें, जो आपके घर को अनूठा अंदाज दे सकें. जब आप ये तय कर लें कि आपको किस तरह की दीवार, बिस्तर और सोफे की जरूरत है तो आप घर को हाथ से बने छोटे-छोटे सजावटी सामान से सजा सकती हैं. कैंडल्स, रेशमी फूल, नैपकिन रिंग्स और टेबल पर रखनेवाले छोटे-छोटे आकर्षक सामान आपके घर की सुंदरता को बढ़ा देंगे.

मटेरियल पर दें ध्यान

फर्निशिंग का मटेरियल आरामदेह और आकर्षक होना चाहिए. नर्म वेल्वेट और सिल्क का चुनाव करें. कुर्सियों और पर्दों के लिए सैटिन और डिजाइनर फॉक्स सिल्क का इस्तेमाल कर आप घर की गरमाहट को बढ़ा सकते हैं.

दीवारों को बनाएं आकर्षक

यदि आप ये सोचते हैं कि सुंदर फोटोज या पेंटिंग्स लगाकर ही आप घर की दीवारों की सुंदरता बढ़ा सकती हैं तो दोबारा सोचें, क्योंकि दीवारों से ही आपके लिविंग रूम की शोभा बढ़ती है. पेंटिंग्स उतारें और दीवारों पर दोबारा काम करवाएं, ताकि घर को अनोखा लुक मिले. ऐसी दीवार का चुनाव करें, जिसे आप हाईलाइट करना चाहते हों. वेल्वेट, लकड़ी, शीशे या स्वारोव्स्की क्रिस्टल का काम करवाकर आप किसी भी कमरे का आकर्षण बढ़ा सकते हैं. खास प्रभाव डालने के लिए आप वॉलपेपर लगी दीवार को पेंट भी करवा सकते हैं.

टॉक्सिक का है जमाना

इस मौसम में रंगों को लेकर उत्साही रुख रखें. यदि कोई थीम चुनकर घर सजाना होता तो मैं इस मौसम में टॉक्सिक येलो चुने. यूं तो अब तक भूरा रंग चलन में था, लेकिन इस मौसम में ये बहुत प्राकृतिक रंग लगेगा. घर के किसी हिस्से को हाईलाइट करने के रंग हैं- कोरल, टरकॉइज, ब्रिक, फुशिया या फिर नींबू जैसा टॉक्सिक येलो. एक ही रंग के अलग-अलग शेड्स का इस्तेमाल करना भी अच्छा विकल्प है. टॉक्सिक रंग और उभरकर सामने आए, इसके लिए इनका इस्तेमाल हल्के रंगों, जैसे-भूरे आदि के साथ करें.

छोटे बदलाव से बड़ा आकर्षण

छोटे-छोटे बदलाव घर के आकर्षण को बढ़ाएंगे. आप फैब्रिक से जुड़ा बदलाव भी कर सकते हैं. अपने बेडरूम का सीलिंग फैन हटाकर उसकी जगह आकर्षक शैंडिलियर लगा सकते हैं. अपने घर में रंगों की छटा बिखेरने के लिए छोटे-छोटे सजावटी सामानों का भरपूर इस्तेमाल करें, जैसे-लैम्प्स, मैगजीन होल्डर्स आदि.

दूध के साथ खट्टी चीजों का सेवन हानिकारक

HEALTH जोन

दूध एक पौष्टिक आहार है, जो प्रोटीन, कैल्शियम, मिनरल्स और विटामिन डी समेत अन्य पोषक तत्वों से युक्त है.

बचपन से ही दूध पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ये हड्डियों को मजबूत रखने के साथ ही शरीर के लिए महत्वपूर्ण होता है.

कई लोग दूध खाली पीना पसंद नहीं करते हैं, ऐसे में वो दूध के साथ कुछ स्नैक्स प्रेफर करते हैं. वहीं कई बार ऐसे कॉम्बिनेशन के साथ दूध का सेवन करते हैं, जो सेहत के लिए काफी नुकसानदायक साबित होते हैं. कई बार इन कॉम्बिनेशन के साथ दूध पीने से एलर्जी और एसिडिटी की समस्या हो सकती है.

- दूध के साथ खट्टे फलों का सेवन करना सेहत के लिए नुकासानदायक होता हैं. खट्टे फलों में विटामिन सी और सिट्रिक एसिड होता है, जो दूध के साथ सेहत के लिए हानिकारक साबित होता है.
- मोटे होने के लिए अक्सर लोग दूध के साथ केला खाने की सलाह देते हैं. लेकिन दूध के साथ केला डाइजेस्ट होने में समय लेता है. जिसकी वजह से आपको उल्टी हो सकता है और पाचन में परेशानी होती है. ऐसे में जब आप इसका शेक पीएं तो पाचन के लिए चुटकी भर दालचीनी या जायफल पाउडर का इस्तेमाल करें.
- दूध के साथ दही का सेवन करने से गैस, पेट में दर्द की समस्या रहती है. इसलिए इन दोनों को साथ में नहीं खाना चाहिए. अक्सर दावत में रायता और खीर दोनों चीजें होती हैं, ऐसे में किसी एक का ही सेवन करें.

बढ़ते ख़र्चों पर यूं लगाएं रोक

MONEY मैटर

बढ़ती महंगाई, बढ़ती जिम्मेदारियां और बढ़ते खर्चों के बीच बचत कर पाना बेहद मुश्किल हो गया है. उस पर आमदनी इतनी तेजी से नहीं बढ़ती, जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है. ऐसे में हर कोई यही सोचता है कि क्या किया जाए? लेकिन यदि आप थोड़ी-सी समझदारी से काम लेकर अपने खर्चों को प्लान करें, तो बहुत हद तक उन पर नियंत्रण पाकर बचत कर सकते हैं.

शुरू करें बचत

कॉलेज में पढ़नेवाला साकेत सी.ए. की आर्टिकलशिप कर रहा है, जिसमें उसे 9,000 स्टाइपेंड दिया जाता है. उसने पैरेंट्स पर निर्भर रहने की बजाय अपना खर्च खुद उठाने की बात सोची. टेलीफोन बिल, आने-जाने का खर्च, ब्रांडेड कपड़े, दोस्तों के साथ कभी-कभार डिनर और अन्य छुटपुट खर्चे कर, महीने के आखिर में देखा तो उसके पास बिल्कुल भी पैसे नहीं थे. उसे बहुत बुरा लगा कि आगे जॉब लगेगा, खर्चे बढ़ेंगे, जिम्मेदारी और महंगाई भी बढ़ेगी तो सैलरी से बचत कैसे हो पाएगी? उसने सोच लिया कि वह बचत के नाम पर कुछ रकम अलग रख देगा और बचे हुए पैसों से बाकी के खर्चे पूरे करेगा. यही समझ कॉलेज जीवन से ही युवाओं में आ जाए तो भविष्य में परेशानी नहीं होती.

सबकी सोच अलग-अलग

आजकल की बदलती लाइफस्टाइल, नए-नए गैजेट्स का आना और शॉपिंग मॉल की मोहक चीजें देख खुद को रोक पाना बेहद मुश्किल है. लेकिन यदि कुछ बातों पर गौर किया जाए तो खर्चों के साथ-साथ बचत कर सकते हैं.

आमदनी-सेविंग = खर्च

अक्सर लोगों का आर्थिक सूत्र होता है आमदनी-खर्च=बचत, जबकि होना चाहिए आमदनी-बचत=खर्च. अर्थात एक महीने की आमदनी में से आपके लिए अधिक से अधिक जितनी बचत करना संभव है, उतनी रकम निकालकर रखें और बाकी बची हुए रकम से सारे खर्च चलाएं. यदि आपकी सैलरी बैंक में आती है तो खर्चे की रकम निकालकर घर लाएं, बचत बैंक में ही रहने दें. कई बार घर के सारे खर्चे पूरे होने के बाद पैसे नहीं बचते और बचत का सपना अधूरा रह जाता है. इसका भी उपाय है- बैंक या पोस्ट ऑफिस में रिकरिंग डिपॉजिट खाता या म्यूचुअल फंड (सिस्टमिक इन्वेस्टमेंट प्लान) खाता खोलें. दूसरे बैंक में खाता खोलकर इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सिस्टम करवाएं. आपकी सैलरी के आते ही बैंक आपके द्वारा बताई गई बचत की रकम, हर माह इन खातों में जमा कर देता है. आपकी बचत ऐसे खातों में डाली जानी चाहिए, जहां आसानी से उसे निकाला न जा सके. इसीलिए कंपनियों और ऑफिसों में हर महीने कर्मचारी की तनख्वाह में से एक निश्चित रकम पीएफ अकाउंट में डाली जाती है. यह रकम समय के साथ बढ़ती रहती है और व्यक्ति के रिटायर होने पर उसे मिलती है. अति आवश्यक परिस्थिति में इसमें से एक-तिहाई रकम रिटायरमेंट से पहले निकालने की अनुमति होती है.

आवश्यकता और इच्छा में फर्क करना सीखें

आजकल अक्सर लोग समय बिताने के लिए शॉपिंग मॉल चले जाते हैं. घूमते-घूमते बहुत-सी चीजें पसंद आ जाती हैं. पसंद आते ही वो चीज खरीदनी ही है, ऐसा न सोचें. महीने के अंत तक रुकें, तब आपको पता चल जाएगा कि वह चीज आपके लिए आवश्यक है या नहीं या ऐसे ही आप दूसरों की देखा-देखी या इच्छा होने पर खरीद रहे हैं. उदाहरण के तौर पर, आप सैंडविच मेकर खरीदना चाह रहे हैं, क्योंकि वह आपकी सहेली के पास है. मगर आपके घर में सैंडविच पसंद नहीं किए जाते तो खरीदना बेकार है. कभी-कभार के लिए सैंडविच तवे पर भी बनाई जा सकती है. यह आपकी जरूरत नहीं है, आपकी सहेली से स्पर्धा की इच्छा आपको सैंडविच मेकर खरीदने के लिए बाध्य कर रही है.

छोटी रकम से शुरू करें

करिअर के आरंभ में सैलरी कम होती है. खर्चे अधिक होने से बहुत छोटी रकम ही बचती है, जो हमें लगता है कि बचत के लिए काफी नहीं है. हताश न हों. रकम चाहे 500 हो या 1000, बूंद-बूंद से घड़ा भरता है, यह कहावत याद रखें. इस रकम को लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करें. साथ ही ऐसी जगह इन्वेस्ट करें, जहां ब्याज ठीक-ठाक मिलता हो. ब्याज के चलते भी परिपक्व होने पर राशि ज्यादा होगी. बीच-बीच में इस तरह के इन्वेस्टमेंट्स करते रहें. रेकरिंग डिपॉजिट या म्यूच्युल फंड में इन्वेस्ट करें. जितनी राशि से आप खाता खोलेंगे, उतनी राशि आपको हर माह डालनी होगी. किसी माह में ज्यादा पैसे बच जाएं तो उसे बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट में डाल दें. उसे रिन्यू करवाते जाएं, इससे लंबा समय बीतने पर आकर्षक बचत आपके हाथ में होगी.

बजट बनाएं

सबसे पहले अपनी आमदनी के अनुसार बजट बनाएं. इसमें निश्चित करें कि अपने कपड़े, यात्रा, राशन एवं मनोरंजन पर आप कितने पैसे खर्च करेंगे और उसका पालन करें. पुराने समय में लिफाफा तरीका इस्तेमाल किया जाता था. हर महीने अलग-अलग लिफाफों में रकम रखकर बिजली बिल, बच्चों की फीस, राशन, शादी एवं इमर्जेंसी खर्च लिखा जाता था. इमर्जेंसी खर्च की रकम दवाइयों, अचानक आई आपत्तियों या रिश्तेदारों व घरेलू शादी-समारोहों के काम आती थी. चाहें तो आप भी यह तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं. घर खर्च के लिए डायरी मेंटेन करें, जिसमें हर छोटे से छोटा खर्च भी लिखें. इससे फिजूल खर्चों का पता चल जाएगा, जिसे अगले महीने में सुधारा जा सकेगा.

स्ट्रेस फ्री होने के लिए खर्च न करें

कई लोगों की आदत होती है कि जब वे बहुत तनाव में होते हैं, तो शॉपिंग के लिए या मॉल/बाजार में घूमने निकल जाते हैं. उनका दावा होता है कि इससे वे स्ट्रेस फ्री हो जाते हैं. इस चक्कर में वे जरूरत से ज्यादा ही खर्च कर देते हैं और बाद में पछताते हैं, इसलिए इस आदत पर लगाम लगाएं. जब भी तनाव हो तो बेहतर होगा कि मॉल/बाजार जाने की बजाय पार्क में या वॉक के लिए निकल जाएं. पार्क का माहौल और खुशनुमा हवा आपको स्ट्रेस फ्री कर देगी. चाहें तो योगा या एक्सरसाइज करें. इससे मसल्स की स्ट्रेचनिंग होगी, जिससे एंडॉर्फिन हार्मोन स्रावित होगा और आपका तनाव दूर भाग जाएगा, क्योंकि यह हार्मोन घबराहट, हताशा और तनाव को दूर करके आपको अच्छा महसूस करवाता है.

कंट्रोल करें बच्चों में पनपती ईर्ष्या की भावना

PARENTING जोन

ईर्ष्या एक ऐसी भावना है, जो बड़ों के ही नहीं, बच्चों के जीवन में दबे पांव कभी भी आ सकती है. बच्चों में ईर्ष्या की भावना अपने छोटे भाई-बहन, दोस्तों और सहपाठियों को देखकर आती है. अगर बचपन से ही उनमें ईर्ष्या को कंट्रोल न किया जाए, तो आगे चलकर पैरेंट्स को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं. बच्चों में ईर्ष्या 4 तरह की होती है.

शैक्षणिक योग्यता व कौशल

जब बच्चा अपने सहपाठियों से शैक्षणिक व खेल संबंधी ईर्ष्या करता है, तो इससे उसकी खुद की परफॉर्मेंस पर बुरा प्रभाव पड़ता है. इसका मतलब है कि वह अपने को दूसरे बच्चों से कमतर आंकता है और खुद को अयोग्य महसूस करता है.

सोशल जेलेसी

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होने लगता है, उसमें अपने दोस्तों (गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड) को लेकर ईर्ष्या पनपने लगती है. सोशल जेलेसी, जो बचपन में नहीं थी, लेकिन किशोरावस्था आने तक स्वत: ही बढ़ने लगती है.

भाई-बहनों के बीच (सिबलिंग जेलेसी)

ईर्ष्या का वह रूप है, जो बचपन में हमें आसपास देखने को मिलता है. इस स्थिति में ईर्ष्यालु बच्चा अपने ही भाई-बहनों से ईर्ष्या करता है, जिसके कारण वह हेल्दी सिबलिंग रिलेशनशिप को खराब कर देता है.

बच्चों में ईर्ष्या की भावना जब खतरनाक होने लगती है, तो-

- उनके आत्मविश्वास में कमी आने लगती है.
- अन्य बच्चों के साथ आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं.
- वे खुद को बेबस और लाचार महसूस करते हैं.
- दूसरे बच्चों की बुलिंग करते हैं.
- अपने दोस्तों और सहपाठियों से अलग-थलग रहते हैं.

कैसे निपटें पैरेंट्स

जब बच्चे मटेरियल जेलेसी से ग्रस्त होते हैं, तो पैरेंट्स की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को समझाएं कि हर परिवार की आर्थिक स्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए अन्य बच्चों के खिलौनों आदि चीजों से ईर्ष्या करने की बजाय अपने पास जो है, उसी में खुश रहें. शैक्षणिक व कौशल संबंधी ईर्ष्या से ग्रस्त होने पर पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों की योग्यता को पहचानें और उनके भीतर छिपी हुई ईर्ष्या को दूर करने की कोशिश करें. बच्चों का ध्यान उनकी व्यक्तिगत योग्यता और विशेषताओं की ओर आकर्षित करें. इसके अलावा जिन विषयों या क्षेत्रों में वे कमजोर हैं, उनमें सुधार करें.

सपोर्ट करें

बच्चों में सोशल जेलेसी होने पर पैरेंट्स को उनकी भावनाएं समझनी चाहिए. उन्हें अकेला छोड़ने की बजाय उनके साथ समय बिताएं. पैरेंट्स का सपोर्ट उनमें सकारात्मक सोच बढ़ाएगा. सिबलिंग के बीच होनेवाले मतभेदों को दूर करना पैरेंट्स की जिम्मेदारी है. उनके बीच होनेवाली नकारात्मक बातों पर रोक लगाएं और सभी बच्चों पर पूरा ध्यान दें.

कारण जानें

बच्चों में ईर्ष्या की भावना दूर करने के लिए जरूरी है कि घर, स्कूल, पार्क आदि जगहों पर दोस्तों के साथ होनेवाली उनकी बातों को ध्यान से सुनें, जैसे- वे किस बात से खुश हैं, किस बात से परेशान हैं, किसी कारण से उन्हें जलन, तनाव, अवसाद या चिड़चिड़ापन तो नहीं है. इनके पीछे छिपे कारणों को जानने का प्रयास करें. जलन की भावना दूर करने के लिए उन्हें महान लोगों के प्रेरक प्रसंग सुनाएं, जिससे उनका खोया हुआ आत्मविश्वास वापस लौट आए. उनमें नकारात्मक विचारों को दूर करके सकारात्मक सोच बढ़ाएं. उनकी उपलब्धियों को सराहें.

सेंस ऑफ ह्यूमर की तारीफ

अच्छा काम करने पर उन्हें प्रोत्साहित करें. उनके अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर की तारीफ करें. ईर्ष्याग्रस्त होने पर बच्चों को अपनी बात अपने फ्रें* या फैमिली मेंबर से शेयर करने के लिए प्रेरित करें, ताकि पैरेंट्स ईर्ष्या का कारण जान सकें. यदि बच्चे ईर्ष्या का कारण नहीं बताते हैं, तो उन्हें डायरी में लिखने के लिए कहें. लिखने के बाद पैरेंट्स उसे 2-3 बार पढ़ने के लिए कहें. ईर्ष्या का कारण जानने के बाद उससे निपटने के तरीके भी पैरेंट्स व बच्चों को समझ में आने लगेंगे.

कम्पेयर करना गलत

हर बच्चा अपने आप में खास होता है, इसलिए पैरेंट्स बात-बात पर दूसरे बच्चों के साथ उसकी तुलना न करें. बार-बार तुलना करने पर बच्चों के दिमाग में यह बात घर कर जाती है कि पैरेंट्स उन्हें प्यार नहीं करते. धीरे-धीरे उनके मन में जलन की भावना बढ़ने लगती है और उनका आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है. छोटे बच्चों को समझाना मुश्किल काम होता है, लेकिन कुछ बातों के बारे में उन्हें बताना बहुत जरूरी है, जैसे- ईर्ष्या. यदि बच्चे अपने छोटे भाई-बहन से ईर्ष्या करते हैं तो पैरेंट्स को चाहिए कि प्यार और धैर्य के साथ बड़े बच्चों को समझाएं कि नए सदस्य के आने पर या छोटे भाई-बहनों के कारण उनके प्यार में कोई कमी नहीं आएगी. पैरेंट्स यदि प्यार, धैर्य और विश्वास के साथ उन्हें समझाएंगे, तो बच्चे जरूर समझेंगे.

घुमाने ले जाएं, उपहार दें

पैरेंट्स और बच्चों के बीच संबंधों की मजबूती और ईर्ष्या को कम करने के लिए जरूरी है कि बच्चों को 'स्पेशल फील' कराएं, जैसे- उन्हें घुमाने के लिए बाहर ले जाएं, उनकी फेवरेट चीजें उपहार में दें आदि.

एक नज़र

चार हस्तियां राज्यसभा में मनोनीत

पीटी उषा, इलैयाराजा, वी विजयेंद्र प्रसाद और वीरेंद्र हेगड़े राज्यसभा के लिए मनोनीत

पीटी उषा (एथलीट) | इलैयाराजा (संगीतकार) | वी विजयेंद्र प्रसाद (स्क्रिप्ट राइटर) | वीरेंद्र हेगड़े (समाजसेवी)

केंद्र सरकार ने पूर्व ओलंपिक ट्रैक एंड फील्ड एथलीट पीटी उषा, संगीतकार और गायक इलैयाराजा, पटकथा लेखक वी विजयेंद्र प्रसाद गारू और समाजसेवी वीरेंद्र हेगड़े को राज्यसभा के लिए मनोनीत करने की अनुशंसा की है। राष्ट्रपति इन्हें मनोनीत करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर सभी को बधाई दी है। सभी का कार्यकाल 6 साल का होगा।

पीटी उषा- भारत की उड़नपरी: भारत की स्टार एथलीट और उड़न परी के नाम से मशहूर हैं। 1980 में केवल 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉस्को में हुए ओलिंपिक में हिस्सा लिया था। 1984 के ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनी थी। एक मामूली से फासले से वह मेडल जीतने से चूक गई थीं। 1986 के सिओल एशियाई खेलों में उन्होंने चार गोल्ड मेडल जीते थे।

400 मीटर की बाधा दौड़, 400 मीटर की रेस, 200 मीटर और 4 गुणा 400 की रेस में उषा ने स्वर्ण पदक जीते। 100 मीटर की रेस में वो दूसरे नंबर पर रहीं। 1983 में उन्हें अर्जुन अवॉर्ड दिया गया था। 1985 में उन्हें देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

इलैयाराजा- संगीत ज्ञानी के नाम से भी मशहूर हैं: इलैयाराजा ने सात हजार से ज्यादा गीतों की रचना की है। इसके साथ ही 20 हजार से ज्यादा म्यूजिक कॉन्सर्ट का वो हिस्सा रह चुके हैं। इलैयाराजा संगीत ज्ञानी के नाम से भी मशहूर हैं। उन्होंने भारतीय लोक संगीत और पारंपरिक वाद्ययंत्रों को वेस्टर्न कल्चरल म्यूजिक टेक्नीक के साथ-साथ जोड़ने के लिए जाना जाता है।

1986 में आई तमिल फिल्म विक्रम में कंप्यूटर के जरिए फिल्मी गाने रिकॉर्ड करने वाले वह पहले भारतीय संगीतकार थे। इलैयाराजा ने तमिल फिल्म संगीत में वेस्टर्न कल्चरल म्यूजिक का अनूठा प्रयोग किया। वे 2010 में पद्म भूषण और 2018 में पद्म विभूषण से सम्मानित हो चुके हैं। उन्हें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

वी. विजयेंद्र गारु- अनेक हिट फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखी, डायरेक्शन भी किया: दक्षिण सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक वी. विजयेंद्र गारु ने कई फिल्मों का पटकथा लेखन किया है। उन्होंने बाहुबली, ऋ्रक्र बजरंगी भाईजान, राउडी राठौड़, मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी और मार्शल जैसी फिल्मों की कहानी लिखी है। 2016 में बजरंगी भाईजान के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुका है। इसके अलावा उन्होंने अर्धांगिनी, रांझणा और श्रीवल्ली जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया है।

वी विजयेंद्र का जन्म आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के कोवूर में हुआ। वह फिल्म निर्देशक बनना चाहते थे। इसके लिए वह चेन्नई चले गए, लेकिन वहां उनकी किस्मत ने साथ नहीं दिया। इस दौरान उनकी मुलाकात अपने एक पुराने दोस्त से हुई, जो उनके भाई शिव शक्ति दत्ता को राइटर-डायरेक्टर राघवेंद्र राव के पास ले गए। राघवेंद्र राव ने उन्हें %जानकी रामुडु% (1988) की कहानी साझा रूप से लिखने के लिए कहा। इस तरह तेलुगु सिनेमा में उनका करियर शुरु हुआ। विजयेंद्र की बतौर लेखक पहली फिल्म 'बंगारू कुटुंबम' (1994) है।

डी वीरेंद्र हेगड़े- समाजसेवा के लिए पहचान: डी वीरेंद्र हेगड़े कर्नाटक के धर्मस्थल मंदिर के धर्माधिकारी हैं। उन्हें अपने सामाजिक कार्यों के लिए जाता है। उन्होंने जैन समुदाय की करीब छ सौ साल पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाया है। वह नैचुरोपैथी, योगा और नैतिक शिक्षा के प्रसार के लिए धर्म स्थल से जुड़े 400 हाईस्कूल और प्राइमरी टीचर हर साल इन विषयों में 30,000 छात्रों को शिक्षा देते हैं। 1972 से लेकर अब तक उनके धर्मस्थल में हर साल सामूहिक विवाह कार्यक्रम कराया जाता है। इन कार्यक्रमों के जरिए हजारों जोड़ों की शादी होती है।

राहुल गांधी फेक न्यूज केस में एंकर अरेस्ट

एंकर को पकड़ने पहुंची छत्तीसगढ़ पुलिस; गाजियाबाद पुलिस ने रोका, नोएडा पुलिस पकड़ ले गई

एजेंसी

गाजियाबाद। राहुल गांधी के खिलाफ फेक न्यूज चलाने के आरोपी जी-न्यूज के एंकर रोहित रंजन की मंगलवार सुबह नाटकीय ढंग में गिरफ्तारी हो गई। शुरुआत छत्तीसगढ़ पुलिस से हुई जो तड़के 5.30 रोहित के इंदिरापुरम स्थित घर के बाहर पहुंच गई। दरवाजे पर पुलिस देख रोहित ने ट्वीट कर क्क पुलिस से मदद मांगी। गाजियाबाद पुलिस ने उनके ट्वीट का जवाब ट्वीट से दिया कि वे मदद के लिए जरूरी कार्रवाई कर रहे हैं।

रायपुर पुलिस ने भी एंकर को इन्फॉर्म किया, वो भी ट्वीट के जरिए। कहा कि जांच में सहयोग करें।

इस बीच गाजियाबाद के इंदिरापुरम की पुलिस भी रोहित के घर पहुंच गई। वहां रोहित की गिरफ्तारी को लेकर रायपुर और इंदिरापुरम पुलिस के बीच खींचतान चल ही रही थी कि नोएडा पुलिस की एंट्री हुई। नोएडा पुलिस ने कहा कि उनके यहां रोहित के खिलाफ केस दर्ज है, और वह रायपुर पुलिस के सामने रोहित को गिरफ्तार कर ले गई। मंगलवार सुबह 5:30 बजे रायपुर पुलिस एंकर रोहित को गिरफ्तार करने के लिए गाजियाबाद पहुंची। रोहित गाजियाबाद में इंदिरापुरम क्षेत्र में नियो स्कॉर्टिस सोसाइटी में रहते हैं। रोहित ने 6:16 बजे ट्वीट कर क्क के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, ASP गाजियाबाद और ADG जोन लखनऊ से मदद मांगी।

एंकर के खिलाफ छत्तीसगढ़-राजस्थान में दर्ज हैं केस

कांग्रेस का आरोप है कि पिछले दिनों एंकर रोहित रंजन ने अपने स्पेशल टीवी शो में वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के बयान को तोड़-मरोड़कर दिखाया। इससे उनकी छवि धूमिल हुई। इस मामले में छत्तीसगढ़ में एक FIR दर्ज हुई है। दो दिन पहले नोएडा में टीवी चैनल के बाहर प्रदर्शन करने और पुतला फूंकने के आरोप में 19 कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी भी हुई थी। रोहित रंजन पर राजस्थान में भी इस बयान को लेकर मुकदमे दर्ज हुए हैं।

इसका जवाब रायपुर पुलिस ने ट्वीट पर ही देते हुए कहा कि वे पुलिस को सहयोग दें और अपना पक्ष कोर्ट में रखें। इस बीच गाजियाबाद पुलिस ने भी ट्वीट कर रोहित से कहा कि मामला उनके संज्ञान में है और वह जरूरी कार्रवाई कर रही है। करीब साढ़े छह बजे इंदिरापुरम पुलिस रोहित के घर के बाहर पहुंच गई।

बिना UP पुलिस की इजाजत के गिरफ्तारी को लेकर रायपुर और गाजियाबाद पुलिस के बीच बहस शुरू हो गई। तभी 7:15 बजे अचानक नोएडा पुलिस ने एंट्री ली और रोहित को गिरफ्तार कर लिया।

नोएडा पुलिस का तर्क है कि उनके यहां एंकर रोहित के खिलाफ पहले से मामला दर्ज है। हालांकि, केस कब दर्ज किया गया था, इसका जवाब अफसरों ने नहीं दिया है। इंदिरापुरम के सीओ अभय मिश्रा ने रोहित की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

रोहित ने कहा- बिना लोकल पुलिस को जानकारी दिए आई छत्तीसगढ़ पुलिस: रोहित रंजन ने मंगलवार सुबह 6.16 बजे ट्वीट किया, 'बिना लोकल पुलिस को जानकारी दिए छत्तीसगढ़ पुलिस मेरे घर के बाहर मुझे अरेस्ट करने के लिए खड़ी है। क्या ये कानूनन सही है।' रोहित ने यह ट्वीट क्क मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, ASP गाजियाबाद और ADG जोन लखनऊ को टैग भी किया है। रोहित रंजन के ट्वीट पर दिल्ली BJP के वरिष्ठ नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने लिखा, 'प्लीज हेल्प शलभमणि त्रिपाठी जी।' शलभमणि त्रिपाठी ने बग्गा के इस टवीट के जवाब में लिखा है, 'जी।'

छत्तीसगढ़ पुलिस बोली- सूचित करने का कोई नियम नहीं: एंकर रोहित रंजन के इस ट्वीट का जवाब देते हुए छत्तीसगढ़ की रायपुर पुलिस ने लिखा, 'सूचित करने के लिए ऐसा कोई नियम नहीं है। फिर भी, अब उन्हें सूचित किया गया है। पुलिस टीम ने आपको कोर्ट का गिरफ्तारी वारंट दिखाया है।

कन्हैया के हत्यारों का बीजेपी कनेक्शन? कांग्रेस ने दिल्ली में पोस्टर लगाकर पूछा... ये राष्ट्रवाद है या आतंकवाद

यूथ कांग्रेस ने दिल्ली में जगह-जगह लगाए पोस्टर, पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उदयपुर के कन्हैया हत्याकांड में पकड़े गए एक आरोपी और जम्मू कश्मीर में पकड़े गए एक आरोपी के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से कथित कनेक्शन की बात को लेकर विपक्षी कांग्रेस अब हमलावर हो गई है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सड़कों पर यूथ कांग्रेस ने दोनों आरोपियों की तस्वीरों वाले बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर सवाल किया है कि ये राष्ट्रवाद है या आतंकवाद. वहीं, पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देश की सत्ता पर काबिज पार्टी को घेरा है.

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा है कि पिछले एक हफ्ते में घटी दो घटनाओं ने बीजेपी के चाल, चरित्र और चेहरे को बेनकाब कर दिया है. उन्होंने कहा कि पहले उदयपुर हत्याकांड में शामिल एक आरोपी बीजेपी का कार्यकर्ता निकला. उसके बाद जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों में से एक तालिब हुसैन शाह बीजेपी का पदाधिकारी निकला. पवन खेड़ा ने दावा किया कि तालिब की देश के गृह मंत्री के साथ तक तस्वीर है. जब ये पकड़ा गया तब पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे श्रद्धालुओं पर हमले की योजना बना रहा था.

उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि आतंकियों से नाता है, यह रिश्ता क्या कहलाता है. कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि सोचिए, राष्ट्रवाद की बात करने वालों के लिए क्या ये शर्म की बात नहीं है? ये कोई पहला या दूसरा मौका नहीं है जब बीजेपी के नेता या कार्यकर्ता आतंकी गतिविधियों में लिप्त पाए गए हों. ऐसी कई घटनाएं हैं. उन्होंने कहा कि दो साल पहले भी जम्मू कश्मीर में एक ऐसा ही मामला सामने आया था जब आतंकियों को हथियार मुहैया कराने के आरोप में बीजेपी के पूर्व नेता और सरपंच तारिक अहमद मीर को गिरफ्तार किया गया था.

पवन खेड़ा ने कहा कि अहमद पर हिजबुल कमांडर नवेद बाबू को हथियार देने का आरोप था जो आतंकियों की मदद करने वाले डीएसपी देविंदर सिंह के साथ गिरफ्तार हुआ था. उन्होंने कहा कि एनआईए ने साफ तौर पर कहा भी था कि तारिक, देविंदर सिंह का सहयोगी है. यदि देविंदर सिंह के मामले की ढंग से जांच होती तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता लेकिन तब जांच बीच में ही रोक दी गई थी. कांग्रेस प्रवक्ता ने मध्य प्रदेश में अवैध टेलीफोन एक्सचेंज के पर्दाफाश का भी जिक्र किया और कहा कि तब पकड़े गए आईएसआई के 11 संदिग्धों में से एक ध्रुव सक्सेना बीजेपी आईटी सेल का सदस्य था.

उन्होंने ये भी कहा कि मध्य प्रदेश में ही बजरंग दल के नेता बलराम सिंह को टेरर फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था. साल 2017 में एनआईए की विशेष अदालत ने असम के बीजेपी नेता निरंजन होजाई को आतंकियों की आर्थिक मदद के मामले में उम्र कैद की सजा सुनाई थी. पवन खेड़ा ने कहा कि निरंज होजाई को एक हजार करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और टेरर फंडिंग के मामले में दोषी पाया गया था. उन्होंने कहा कि निरंजन की फंडिंग से मिले पैसों से आतंकी हथियार खरीदते थे जिसका इस्तेमाल देश की सेवा में लगे सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ होता था.

आतंकी को टिकट देने से भी नहीं चूके

कांग्रेस प्रवक्ता पन खेड़ा ने आरोप लगाया कि सत्ता के लिए बीजेपी दोष सिद्ध आतंकी को टिकट देने से भी नहीं चूकी. उन्होंने दावा किया कि बीजेपी ने मसूद अजहर के करीबी सहयोगी मोहम्मद फारुख खान को निकाय चुनाव में श्रीनगर के वार्ड नंबर 33 से टिकट दिया था. पवन खेड़ा ने दावा किया कि फारुख जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हरकत उल मुजाहिदीन से भी जुड़ा रहा है. उन्होंने बीजेपी पर राष्ट्रवाद की आड़ में देश को खोखला करने का खेल खेलने का आरोप लगाया. पवन खेड़ा ने नूपुर शर्मा भी आपकी पार्टी की और रियाज अटारी भी आप ही की पार्टी का? तालिब हुसैन भी आपकी पार्टी का? उन्होंने बीजेपी पर सीधा हमला बोलते हुए सवाल किया कि खुद मेनस्ट्रीम में रहने के लिए आपने ऐसे कितने फ्रिंज पाले हैं?

उद्धव गुट के 16 विधायकों को अयोग्यता नोटिसः आदित्य ठाकरे का नाम नहीं

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित किया। इसके बाद शिंदे गुट ने नए स्पीकर राहुल नार्वेकर को एक याचिका दी, जिसमें उद्धव ठाकरे गुट के 16 विधायकों की सद्स्यता रद्द करने की मांग की गई है। हालांकि, उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे का नाम इन 16 विधायकों में शामिल नहीं है। शिंदे गुट के विधायक और चीफ व्हिप भरत गोगावले ने कहा कि हमने आदित्य ठाकरे को छोड़कर, व्हिप की अवहेलना करने वाले सभी विधायकों को अयोग्य घोषित करने का नोटिस दिया है। बालासाहेब ठाकरे के प्रति सम्मान के कारण हमने आदित्य ठाकरे को नोटिस नहीं दिया। **ठाकरे और शिंदे गुट की पिटिशन पर 11 जुलाई को सुनवाई:** ठाकरे गुट ने भी शिंदे गुट के 16 विधायकों की सद्स्यता रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक लीगल पिटिशन डाली थी। पिछले महीने डिप्टी स्पीकर नरहरि जरवाल ने शिंदे गुट के विधायकों को नोटिस दिया था। उधर एकनाथ शिंदे गुट ने अपना चीफ व्हिप भरत गोगावले को बनाया था। इसके बाद गोगावले शिवसेना द्वारा सुनील प्रभु को चीफ व्हिप अपॉइंट करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चले गए। इन याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 11 जुलाई को सुनवाई करेगी।

शिंदे गुट ने असली शिवसेना होने का किया दावा

शिंदे गुट के पास दो-तिहाई से अधिक विधायकों का समर्थन है। सोमवार को विधानसभा में वोटिंग के दौरान ठाकरे गुट का एक और विधायक शिंदे खेमे में चला गया। इसके साथ ही शिंदे गुट के विधायकों की संख्या बढ़कर 40 पहुंच गई। अब शिंदे गुट ने असली शिवसेना होने का दावा किया है।

शिंदे गुट ने बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर भी दावा किया है। कहा कि उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर बालासाहेब की विरासत को धूमिल किया है।

फिल्ममेकर लीना मणिमेकलई के ख़िलाफ़ केस दर्ज

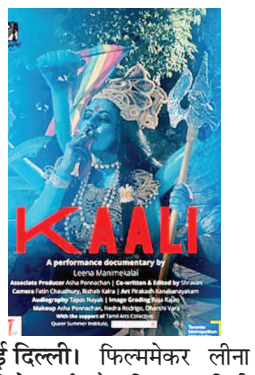

दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट ने दर्ज किया मामला, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

नई दिल्ली। फिल्ममेकर लीना मणिमेकलाई के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। लीना के ऊपर दिल्ली पुलिस की IFSO यूनिट ने केस दर्ज किया है। उनपर अपनी डॉक्यूमेंट्री 'काली' के पोस्टर से धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है। पुलिस ने उनपर धारा 153, 295 के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल, उन्होंने अपनी डॉक्यूमेंट्री 'काली' का पोस्टर रिलीज किया, जिसमें मां काली बनी अभिनेत्री को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया है। पोस्टर में मां काली के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे हाथ में LGBTQ का झंडा दिखाया गया है, जिससे विवाद और ज्यादा बढ़ गया। विरोध होने पर लीना ने तमिल में पोस्ट शेयर कर लिखा, 'यह फिल्म एक ऐसी घटना की कहानी है, जिसमें एक शाम काली प्रकट होती हैं और टोरंटो की सड़कों पर घूमने लगती हैं। अगर आप पिक्चर देखोगे तो आप मुझे अरेस्ट करने वाले हैशटैग के ट्वीट नहीं, बल्कि मुझे प्यार करने वाले हैशटैग के ट्वीट शेयर करेंगे।'

मैं डरती नहीं हूं: पोस्टर रिलीज होने के बाद बढ़ता विवाद देख लीना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा, 'मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। मैं हमेशा उन लोगों के साथ आवाज उठाऊंगी, जो निडर होकर बोलते हैं। अगर इसकी कीमत मेरी जिंदगी है, तो मैं वह भी दे दूंगी।' लीना ने बताया था कि उनकी यह फिल्म टोरंटो के आगा खान म्यूजियम में हुए कार्यक्रम 'रिदम ऑफ कनाडा' का एक पार्ट थी। जब लीना को काफी आलोचना झेलनी पड़ी तो उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट प्राइवेट कर लिया और कमेंट्स रिस्ट्रिक्ट कर दिए।

कर्नाटक की सिनी शेट्टी बनीं मिस इंडिया 2022

सिनी के पास फाइनेंस डिग्री, भरतनाट्यम में एक्सपर्ट

राजस्थान की रूबल, यूपी की शिनाता रनरअप

एजेंसी

मुंबई। कर्नाटक की सिनी शेट्टी ने 21 साल की उम्र में फेमिना मिस इंडिया 2022 का खिताब जीत लिया है। यह इवेंट रविवार (3 अप्रैल) देर रात मुंबई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हुआ। राजस्थान की रूबल शेखावत फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि उत्तर प्रदेश की रहने वाली शिनाता चौहान सेकेंड रनर-अप रहीं।

CFA की पढ़ाई पढ़ रही हैं सिनी: सिनी ने 31 कंटेस्टेंट को मात देकर ये खिताब अपने नाम किया है। वो कर्नाटक की रहने वाली हैं, लेकिन उनका जन्म मुंबई में हुआ है। सिनी के पास अकाउंटिंग और फाइनेंस में ग्रेजुएशन की डिग्री है और अब वो CFA (चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट) की पढ़ाई कर रही हैं। इसके अलावा वो भरतनाट्यम डांसर भी हैं।

फर्स्ट रनर अप रूबल राजस्थान के शाही राजघराने से बिलॉन्ग करती हैं। रूबल को डांस, ऐक्टिंग, पेंटिंग में इंटरेस्ट है और उन्हें बैडमिंटन खेलना भी पसंद है।

वहीं सेकेंड रनर-अप शिनाता उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। वो 21 साल की हैं

नेहा धूपिया के लिए स्पेशल था ये इवेंट

मिस इंडिया के जज पैनल में इस बार बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा, नेहा धूपिया, डीनो मोरिया, डिजाइनर्स राहुल खन्ना, रोहित गांधी, कोरियोग्राफर श्यामक डावर और क्रिकेटर मिताली राज शामिल हुए। इनके अलावा कई अन्य बॉलीवुड सेलेब्स भी इवेंट में नजर आए। नेहा धूपिया के लिए इस बार का इवेंट इसलिए भी ज्यादा खास बन गया, क्योंकि उन्हें भी मिस इंडिया का ताज जीते पूरे 20 साल हो गए। ऐसे में उनकी उस सफलता को भी शो में सेलिब्रेट किया गया।

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर, गुरुवार, 07 जुलाई, 2022

एक नज़र

जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त रवि जैन ने किया सोडाला एलिवेटेड रोड का दौरा, कार्य शीघ्र कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त रवि जैन द्वारा गत बुधवार को सायं सोडाला एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्यों का दौरा किया गया और प्रोजेक्ट को शीघ्र पूर्ण करने के लिए अभियांत्रिकी शाखा एवं निर्माणकर्ता एजेंसी को निर्देश दिए। इस दौरान जेडीसी रवि जैन ने सोडाला एलिवेटेड रोड के चल रहे निर्माण कार्यो का मौका निरीक्षण किया साथ ही महत्वपूर्ण एलिवेटेड रोड पर सौंदर्यीकरण के तहत लगाई जा रही फसाड लाईटिंग की जानकारी भी ली। निर्माणकर्ता एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारीगण इस दौरान उपस्थित रहे।

उदयपुर के आतंकी हमले के लिए राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही बराबर ज़िम्मेदार हैंः मयंक त्यागी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। उदयपुर निर्मम हत्याकांड के मुख्य आरोपित रियाज के भाजपा नेताओं से कनेक्शन के वायरल फोटो पर जारी सियासत के बीच आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर आतंकियों के ट्रेनिंग चलाने का आरोप लगाया,तो वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर प्रदेश की कानून व्यवस्था ना संभाल पाने पर गृह विभाग छोड़कर अन्य किसी विधायक को गृह विभाग सौंपने की मांग की है।

आम आदमी पार्टी प्रदेश प्रवक्ता मयंक त्यागी ने पत्रकारों से रुबरु होते हुए आरोप लगाया है कि उदयपुर कन्हैया लाल हत्याकांड के बाद जो तस्वीरें आरोपी रियाज मोहम्मद और भाजपा नेताओं के कनेक्शन की वायरल हुई है वो इस बात का सबूत है कि भाजपा ट्रेनिंग कैंप चला रही है। जिसमें आतंकियों को तैयार किया जा रहा है। भाजपा नेता इन वायरल तस्वीरों पर खुलकर जवाब देने से बच रहे हैं। जबकि गुलाबचंद कटारिया पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें इस पूरे मसले पर सफाई देनी चाहिए।

जम्मू कश्मीर में भी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का पदाधिकारी ही आतंकी निकला तो वहीं राजस्थान में भी उदयपुर हत्याकांड से जुड़े आरोपियों का भाजपा से कनेक्शन सामने आया है फिर चाहे भाजपा नेता इसे कितना भी क्यों ना छुपा लें। त्यागी ने कहा कि मुख्य आरोपी रियाज तो खुद को भाजपा का कार्यकर्ता ही बताता था और बीजेपी के कई कार्यक्रमों में शामिल भी हुआ था। इस तरह आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर आतंकियों के ट्रेनिंग चलाने का आरोप लगाया। साथ ही स्पष्ट किया कि अभी तक भाजपा के शीर्ष नेताओ की तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

आम आदमी पार्टी की प्रेस वार्ता में मुख्य प्रवक्ता मयंक त्यागी ने भाजपा नेता गुलाबचंद कटारिया पर तीखे प्रहार किये सौरभ चौधरी साथ इस दौरान साथ रहे।

गुलाबचंद कटारिया 1 बार सांसद 7 बार विधायकः पूर्व गृहमंत्री रहे।पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष है जब उनके तार हत्यारों से जुड़ रहे हैं तो केंद्र सरकार और राज्य सरकार उनकी जांच क्यों नहीं करवाती? एनआईए के द्वारा।केंद्र सरकार अपने लोगों के गिरेबान में झांकने की ताकत कब दिखाएगी।क्यों हमेशा केंद्र सरकार और राज्य सरकार एक-दूसरे पर पल्ला झाड़ कर लोगों को गुमराह करती रही है?

गहलोत सरकार एवं भाजपा इन सवालों का दें कि...

- कन्हैयालाल जी के हत्यारे मोहम्मद रिजवान को भाजपा पार्टी से निष्कासित कब तक करेगी?
- घड़ियाली आँसू बहाना कब बंद करेगी भाजपा?
- क्या भाजपा को कोई हक़ है कि वो गहलोत सरकार पर उंगली उठाए?
- क्या राजनीति के लिये लोगों की हत्या नहीं करवा रहीं यह दो पार्टी?
- भाजपा की नियत को सब समझ रहे है जो पार्टी अपने राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिये बार-बार देश और प्रदेश में दंगे कराए, मासूम लोगों की हत्याएँ कराए और ऐसे ट्रेनिंग कैम्प चलाए जहां एसे हत्यारों को तैयार किया जा रहा हो उनको हम क्य कहेंगे?
- प्रदेश के गृह मंत्री जो प्रदेश के मुख्यमंत्री भी है वो अगर अपना अधिकतर समय दिल्ली दरबार में देंगे तो हमारे प्रदेश की जनता की रक्षा कौन करेगा ?
- गहलोत किसी और को गृहमंत्री इसलिए नहीं बनाना चाहते क्यूँ कि उन्हें डर है कि कहीं गृहमंत्री किसी को बना दिया और वो उनके विरोधी खेमे में शामिल हो कर उन्हें ही ना घेर ले। क्या गहलोत जी के पास उनकी पार्टी में एक भी ऐसा विधायक नहीं है जिसे वो गृह मंत्रालय का चार्ज दे सके जब तक उनकी सरकार और पार्टी में स्थिरता नहीं आ जाती फिर भले ही वो वापस अपना गृह मंत्रालय सम्भाल लें।

दुग्ध उत्पादन एवं विपणन में भी अब होगी महिलाओं की सशक्त भूमिकाः सुषमा अरोड़ा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आरसीडीएफ (सरस) निदेशक सुषमा अरोड़ा ने पदास्थापित होते ही सरस दूध की उपलब्धता के साथ-साथ रेवेन्यू बढाने के भी रास्ते खोल दिये हैं । सरस के बन्द पड़े प्रतिष्ठान पुनः खोलने के साथ-साथ दूध की उपलब्धता पर भी पैनी नज़र रख रहीं हैं निदेशक सुषमा अरोड़ा।

आरसीडीएफ की निदेशक अरोड़ा ने बताया कि जैसलमेर में दूध उत्पादन बड़े स्तर पर होता है लेकिन उसके संकलन के लिए हमारा प्लांट बहुत छोटा है और पुराना भी है। माननीय मुख्यमंत्री जी की बजट घोषणा में 10 करोड़ रुपए की राशि की घोषणा जैसलमेर जिले के लिए की गई है। इसी को देखते हुए पाली,जोधपुर के बाद जैसलमेर का दौरा भी किया है। दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों से मुलाकात करके दूध के उत्पादन और उसके संकलन पर बातचीत की है। नई दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के रजिस्ट्रेशन पर भी बात करते हुए निदेशक सुषमा अरोड़ा ने कहा कि हम इस तरफ भी लगे हुए हैं और कोशिश कर रहे हैं कि बहुत जल्द ज्यादा से ज्यादा लोग इनसे जुड़ें। ताकि हम ज्यादा से ज्यादा दूध का उत्पादन कर सकें और उसका संकलन किया जा सके। महिलाओं की भूमिका बढ़ाने के लिए भी महिला स्वयं सहायता समूहों से बैठकें की जा रही हैं। दूध के उत्पादन व संरक्षण के लिए विभिन्न प्रकार की संस्थाओं व समूहों के सहयोग को बढ़ाया जा रहा है।

चारे की व्यवस्था व पशुओं की देखभाल के लिए भी योजनायें बनाई जा रहीं हैं।

ज्ञात रहे कि आरसीडीएफ की प्रबंध संचालक सुषमा अरोड़ा अब आरसीडीएफ की प्रशासक भी हैं। गत गुरुवार को उन्हें यह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंप दी गई। संयुक्त शासन सचिव सहकारिता की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए। गौरतलब है कि आरसीडीएफ के संचालक मंडल के चुनाव नहीं होने के कारण विभाग के कई महत्वपूर्ण काम नहीं हो पा रहे थे। कोरम के अभाव में संचालक मंडल की बैठक नहीं हो रही थी इसलिए सरकार ने अरोड़ा को प्रशासक का पदभार सौंपने का निर्णय लिया है। इससे अब आरसीडीएफ के सभी महत्वपूर्ण काम पूर्ण हो सकेंगे।

प्रताप नगर में नव विकसित एनआरआई सर्किल का उद्घाटन किया आवासन आयुक्त अरोडा ने

जयपुर हैरिटेज लेडीज सर्कल तथा राउंड टेबल इण्डिया के सहयोग से एनआरआई सर्किल को मिला नया लुक

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बुधवार को प्रताप नगर में नव विकसित एनआरआई सर्किल का उद्घाटन किया। आवासन आयुक्त ने इस सर्किल को नया लुक दिये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मण्डल की अन्य आवासीय योजनाओं में चौराहो तथा सर्किल को जन सहयोग एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से खूबसूरती प्रदान करने का काम किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस सर्किल का सौन्दर्यकरण आवासन मण्डल ने दो संस्थाओं- जयपुर हैरिटेज लेडीज सर्कल-128 तथा राउंड टेबल इण्डिया के सहयोग से किया है। इसके तहत खूबसूरत पौधे तथा आकर्षक लाइटिंग की सज्जा के साथ लोगों के बैठने की समुचित व्यवस्था कर इस सर्किल को नया स्वरूप प्रदान किया गया है। जयपुर हेरिटेज लेडीज सर्कल-128 की चेयरपर्सन श्रीमती अनिका मित्तल ने बताया कि राउंड टेबल इण्डिया तथा जयपुर हेरिटेज लेडिज सर्कल, दोनों संस्थाएं सामाजिक उत्थान की दिशा में कार्य कर रही हैं और इनका मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा के माध्यम से जागृति लाना है। इसी दिशा में एक अभिनव पहल के रूप में आवासन मण्डल के सहयोग से इस सर्किल को 27 अप्रेल, 2022 को गोद लिया गया था। अब इसे विकसित कर नया स्वरूप प्रदान किया गया है। इस सर्किल को डिजाइन करने का काम आर्किटेक्ट हर्ष मित्तल ने किया है। समारोह में आवासन मण्डल के मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा, पार्षद ममता शर्मा और विनोद शर्मा सहित राउंड टेबल इण्डिया की नेशनल कन्वीनर (पब्लिसिटी) सपना कार्तिक, एरिया चैयरपर्सन अनिशा मेंदीरत्ता, आर्किटेक्ट हर्ष मित्तल, जयपुर हेरिटेज लेडिज क्लब एवं जयपुर हेरिटेज राउंड टेबल संस्था की अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थीं।

आवासन मण्डल अब राजस्थान हरा-भरा कर करेगा मानसून का शानदार स्वागत

प्रदेश में मंडल की सभी आवासीय योजनाओं में पचास हज़ार पौधे लगाएगा आवासन मंडल

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान आवासन मंडल की कुशल कार्यप्रणाली और दूरदर्शी सोच का एक बेहतरीन नमूना एक बार फिर से शहर को ही नहीं पूरे राज्य को हरा-भरा कर देगा। विभिन्न आवासीय योजनाओं में इस वर्ष पचास हज़ार हरे-भरे पौधे लगाएगा आवासन मंडल। आवासन आयुक्त ने प्रदेश में विभिन्न आवासीय योजनाओं तथा निर्माणाधीन पौधों में सघन पौधारोपण करने के निर्देश मंडल अभियंताओं को दे दिए हैं।

उन्होंने कहा है कि मानसून को देखते हुए बगीचों, सड़कों के किनारे,संस्थानिक क्षेत्रों सहित अन्य खाली चिन्हित स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं। आवसान आयुक्त ने गत मंगलवार को बोर्ड कक्ष में पौधारोपण प्रगति की समीक्षा की और कहा कि वाटिका, निवाई,बड़ली (जोधपुर) शिवबाड़ी (बीकानेर) मानपुर, आबूरोड ,भिंडर, खोढा गणेश(किशनगढ़) सहित मंडल की अन्य योजनाओं को भी हरा भरा किया जाना निश्चित किया गया है । आवासन आयुक्त ने निर्देश दिए कि प्रताप नगर में आठ हज़ार, मानसरोवर,इंदिरा गाँधी नगर व इन्दिरा गाँधी विस्तार में पाँच-पाँच हज़ार ,निवाई व शिवबाड़ी में तीन हज़ार,उदयपुर में ढाई हज़ार,अलवर व भिवाड़ी में दो हज़ार, नागौर, फलौदी, कुड़ीभगतासनी,बाड़मेर योजनाओं में कुल पचास हज़ार पौधे तथा लगभग एक लाख शर्ब्स एवं लताएं आदि लगाई जाएँ । राज्य को हरा भरा रखने के साथ स्वस्थ रखने की भी भावना इस अभियान से महसूस होती है। अरोडा ने बताया कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी सार-संभाल की व्यवस्था की जाएगी। इस काम में सामाजिक, स्वयंसेवी, शिक्षण संस्थाओं सहित आमजन का पूरा सहयोग लिया जाएगा। मानसरोवर में विकसित किए जा रहे सिटी पार्क में 'माय पार्क-सिटी पार्क' की थीम पर आमजन के सहयोग से 5 हजार पौधे लगाए जाएंगे। पार्क में सजावटी पौधों के साथ विभिन्न किस्मों के छायादार, फलदार-फूलदार पेड-पौधे लगाए जाएंगे।

भाजपा के लिए उदयपुर बना टूरिज़्म स्पॉटः खाचरियावास

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत मंगलवार सचिवालय परिसर में प्रेस वार्ता से रूबरू होते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कन्हैयालाल साहू के घर को टूरिज़्म स्पॉट बना दिया है। भाजपा नेताओं में होड़ मची है। सभी अपनी राजनीति को चमकाने में लगे हुए हैं। इन लोगों द्वारा घटना की गंभीरता का अंदाजा इस तरह से लगाया जा सकता है कि वह हैदराबाद में होटलों में जश्न मना रहे थे जब यह घटना घटित हुई। खबरें फैल गयीं लेकिन जश्न ख़त्म नहीं हुआ।

गुलाबचंद कटारिया यहाँ स्थानीय विधायक हैं और नेता प्रतिपक्ष भी हैं ऐसे में उनकी जिम्मेदारी थी कि वे उदयपुर रहते और स्थिति को काबू करने के लिए सरकार की मदद करते परंतु 28 जून की घटना के अगले दिन ही वे हैदराबाद चले गए। अब वसुंधरा राजे समेत तमाम नेता बैठने और सांत्वना देने आ रहे हैं क्योंकि राजनीति का वक़्त महसूस हो रहा है। इस परिवार के ग़म से इनका कोई सरोकार नहीं।

राजस्थान में फिर बढ़ा बिजली संकट

अघोषित कटौती शुरू, 5 पावर प्लांट बंद, 7 दिन का ही कोयला

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मानसून सीजन में राजस्थान में एक बार फिर बिजली का संकट खड़ा हो सकता है। छत्तीसगढ़ से कोयले की सप्लाई बाधित होने लग गई है। पावर प्लांट्स के पास केवल 7 दिन का ही कोयला स्टॉक बचा है। कोयले की कमी के कारण 5 पावर प्लांट की 5 यूनिट बंद पड़ी है। जिसके कारण कस्बों-ग्रामीण इलाकों में 2-3 घंटे की अघोषित बिजली कटौती शुरू कर दी गई है।

दरअसल, जहां पहले 27 रैक कोयला की रोजाना सप्लाई हो रही थी, अब 18 रैक ही मिल पा रही है। कोयले की कमी के कारण सूरतगढ़ की 250-250 मेगावट की दो यूनिट, सूरतगढ़ की सुपर क्रिटिकल 660 मेगावट की यूनिट, छबड़ा की 250 मेगावाट यूनिट और कोटा थर्मल की 210 मेगावट की एक यूनिट में प्रोडक्शन बंद पड़ा है।

कोयला संकट जारी रहा तो 4340 मेगावाट के प्लांट और ठप हो जाएंगे। इसका मतलब है राजस्थान में केवल इतनी ही बिजली पैदा हो सकेगी जिसकी सप्लाई एक या दो शहरों में ही हो सके। ऐसे में फिर दिन में 5 से 10 घंटे की कटौती करनी पड़ सकती है। इससे कुछ ही दिनों में राजस्थान में 'ब्लैक आउट' जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। राजस्थान में अन प्लांड शटडाउन, मेंटीनेस, फाल्ट और रोस्टर के आधार पर फीडर से फिर बिजली कटौती की जा रही है। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में 2-3 घंटे बिजली गुल हो रही है। शहरी इलाकों में भी अलग-अलग क्षेत्रवार बिजली गुल हो रही है।

कोयले की कमी से बढ़ने लगी परेशानीः राजस्थान में गाइडलाइंस के मुताबिक 26 दिन का कोयला स्टॉक रखना होता है। औसत 7 दिन का ही कोयला आधे से ज्यादा प्लांट में बचा है। बाकी प्लांट में भी 10-12 दिन से ज्यादा कोयला स्टॉक नहीं है। जिस कारण फुल कैपिसिटी में सभी प्लांट नहीं चल पा रहे हैं। कई बंद पड़ी यूनिट्स को इसीलिए जल्द शुरू भी नहीं किया जा रहा है।

राजस्थान में फिलहाल छत्तीसगढ़ की कोयला माइंस से 11 रैक की बजाय 7-8 रैक ही मिल पा रही हैं। बाकी कोयला सप्लाई कोल इंडिया और उसकी सब्सिडरी कंपनियों से मिल रही है। राजस्थान को कुल 17-18 रैक ही औसत मिल रहे हैं। जबकि जरूरत 27 रैक की है। एक रैक में 4000 टन कोयला होता है।

राजस्थान में कोल बेस्ड पावर प्लांट यूनिट्स की कुल कैपेसिटी 7580 मेगावाट है। इनमें से 3240 मेगावाट के प्लांट कोल इंडिया से कोयला सप्लाई लेते हैं। जबकि 4340 मेगावाट प्लांट राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUNL) को छत्तीसगढ़ में अलॉट कोयला माइंस से कोयले की सप्लाई ट्रेनों की रैक से मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार ने RVUNL के 3 माइंस प्रोजेक्ट- परसा कोल ब्लॉक, परसा ईस्ट, कांते बासन और कांते एक्सटेंशन में जून महीने से रोक लगा दी है।

इसलिए लगी रोक

छत्तीसगढ़ के सरगुजा के हसदेव फॉरेस्ट में माइंस से कोयला निकालने के लिए पेड़ों की कटाई की जा रही है। पेड़ काटने से स्थानीय आदिवासी और NGO आक्रोशित हुए हैं। परसा और कांते बासन एक्सटेंशन कोल ब्लॉक घना जंगल होने के साथ गेज और चरनोई नदी का जलग्रहण क्षेत्र भी है। स्थानीय विरोध के बीच राजनीति भी हो रही है।

रिटायरमेंट से एक रात पहले रूडसीको का रेजिडेंट मैनेजर ट्रैप

पाँच लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा, बिल पास कराने के लिए मांगे थे रुपए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एसीबी ने राजस्थान अर्बन ड्रिंकिंग वाटर सीवरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन (रूडसीको) के रैजिडैंट मैनेजर को बुधवार देर रात 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप किया। गिरफ्तार मैनेजर लूणकरण कुम्हार गुरुवार को रिटायर्ड होने वाले थे। इससे पहले परिवादी के 45 लाख रुपए के बिल पास करने का झांसा देकर 5 लाख रुपए ले रहा था। आरोपी ने पीड़ित को रुपए लेकर सांगानेर पुलिया के पास बुलाया। जहां पर पीड़ित को गाड़ी में बैठाया और बाद में रिश्वत ली। इस दौरान एसीबी टीम ने आरोपी को दबोच लिया। ट्रैप के बाद अब प्रताप नगर स्थित आरोपी के घर में सर्च किया जा रहा है। एसीबी डीजी बीएल सोनी ने बताया कि दो दिन पहले एक ठेकेदार ने एसीबी ऑफिस पहुंचकर शिकायत दी कि जवाहर नगर स्थित राजस्थान अर्बन ड्रिंकिंग वाटर सीवरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन (रूडसीको) ऑफिस में कार्यरत रेजिडेंट मैनेजर लूणकरण उनके बिल पास करने की एवज में 5 लाख रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है।शिकायत का सत्यापन करने के बाद एडिशनल एसपी हिमांशु कुलदीप के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। इस दौरान रात करीब साढ़े 10 बजे आरोपी ने पैसे लेकर पीड़ित को सांगानेर बुलाया। जहां खुद ऑफिस में लगी टैक्सी कार लेकर पहुंचा। पीड़िता को कार में बैठाकर पैसे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **शालिनी श्रीवास्तव के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादकः हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**